door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 21 | गुवाहाटी | रविवार, 18 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जम्मू-कश्मीर में 114 में से केवल 90 सीटों पर होंगे चुनाव : ईसी पेज 2
आईएमए की देशव्यापी डॉक्टरों की हड़ताल से असम भी प्रभावित पेज 3
लोकसभा चुनाव में विपक्ष के भ्रामक प्रचार का जवाब उपचुनाव में जनता देगी... पेज 5
स्वदेश लौटीं विनेश फोगाट, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत पेज 7

असम में आईईडी मिलने का मामला

सूचना देने पर मिलेगा पांच लाख का इनाम : डीजीपी

एसआईटी गठित, एक नाबालिग गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में प्रतिबंधित संगठन अल्फा-आई ने गुरुवार को राज्य में 24 स्थानों पर बम लगाने का दावा किया था। बम की खबर मिलने के बाद राज्य में हड़कंप मच गया। संगठन ने दावा किया कि उसने राज्य में सिलसिलेवार विस्फोट करने के लिए 24 विस्फोटक लगाए। असम पुलिस अब इस मामले में शामिल लोगों की पहचान करने वाली विश्वसनीय जानकारी के लिए पांच लाख रुपए तक के नकद इनाम की घोषणा की। पुलिस ने लखीमपुर में पूछताछ के लिए एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। असम पुलिस प्रमुख जीपी सिंह ने एक्स पर लिखा कि हम अल्फा-आई द्वारा लगाए गए बम जैसे उपकरणों की चल रही जांच में जानकारी के लिए जनता से सहयोग का अनुरोध करते हैं। इन उपकरणों को बनाने, परिवहन करने और लगाने में शामिल लोगों के बारे में विश्वसनीय जानकारी मांगी गई है। पुलिस प्रमुख ने लोगों से अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और टेलीफोन नंबर पर जानकारी देने का आग्रह किया। उन्होंने एक व्हाट्सएप नंबर भी साझा किया: 9132699735। अनुरोध में यह भी कहा गया कि जानकारी देने वाले लोगों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। इस बीच, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने बताया कि घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जिसके लिए एक व्यापक कार्य योजना पहले से ही तैयार है। सिंह ने कहा कि एसआईटी के प्रभारी अधिकारी मामले की जांच करेंगे और विभिन्न मामलों के समन्वय के लिए विभिन्न जिलों में अलग-अलग एसआईटी गठित की गई हैं। बता दें कि अल्फा ने कहा कि विस्फोट गुरुवार को सुबह 6 बजे से दोपहर -शेष पृष्ठ दो पर

डॉक्टरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल से मरीज हुए परेशान

पटना में 200 ऑपरेशन टले; बेतिया में बिना इलाज 1500 लोग लौटे

नई दिल्ली। कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या के विरोध में शनिवार को देशभर में चिकित्सक हड़ताल पर रहे। सरकारी अस्पतालों के साथ ही निजी और कारपोरेट अस्पताल और नर्सिंग होम के भी हड़ताल में शामिल होने से स्वास्थ्य सेवाएं बिल्कुल चरमरा गईं। बड़े अस्पतालों में भी ऑपरेशन टाल दिए गए। हड़ताल के कारण मरीजों और उनके साथ आए तिमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के आह्वान पर राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, बंगाल, बिहार, झारखंड,

छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, मिजोरम और नगालैंड सहित विभिन्न राज्यों के डॉक्टर 24 घंटे की हड़ताल में शामिल हुए। दिल्ली में सर गंगा राम, -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दिया भरोसा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय सुझाने के लिए एक समिति बनाई जाएगी। कोलकाता -शेष पृष्ठ दो पर

पर्यटन विकास योजना के दूसरे चरण में राज्य के 34 चाय बागानों को मंजूरी पत्र मिले

गुवाहाटी। असम सरकार की चाय पर्यटन विकास योजना के दूसरे चरण के तहत 30 से अधिक चाय बागानों को स्वीकृति पत्र शनिवार को वितरित किये गये। पर्यटन मंत्री जयंत मल्लबरुआ, जिन्होंने पत्र सौंपे, ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य राज्य में चाय पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने ट्वीट किया कि आज मुझे असम चाय पर्यटन विकास योजना के दूसरे चरण के तहत 34 चयनित चाय बागानों को स्वीकृति पत्र वितरित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यह पहल असम की चाय विरासत को *विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल में बदलने* की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण समुदायों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और हमारे समृद्ध इतिहास को संरक्षित करके, हम वैश्विक मंच पर असम के चाय पर्यटन को फलते-फूलते देखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि योजना के प्रथम चरण के तहत 22 चाय बागानों को सहायता दी गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि असम में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

हरित ऊर्जा व्यवस्था की ओर बढ़ रहा असम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य तेजी से हरित ऊर्जा व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हम आक्रामक रूप से हरित ऊर्जा व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं, जहां आने वाले दिनों में हमारी अधिकांश बिजली और सार्वजनिक परिवहन की जरूरतें स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से पूरी होंगी। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1.8 मेगावाट के रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित कर चुकी है। राज्य सरकार द्वारा पूरे राज्य में सौर ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए इसकी पहल की गई। राज्य सरकार ने उपभोक्ताओं तक सौर ऊर्जा का निर्बाध वितरण सुनिश्चित करने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने 10 किलोवाट तक की क्षमता वाले आवासीय उपभोक्ताओं के लिए नेट मीटरिंग को अपनाया है, जिसमें उपभोक्ताओं द्वारा ग्रिड को निर्यात की गई सौर इकाइयों को ग्रिड से यूनिट खपत के विरुद्ध समायोजित -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डओवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।
– आचार्य चाणक्य

मंकीपॉक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित, केंद्र सरकार सतर्क

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित करने के मद्देनजर, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सतर्क हो गया है। शनिवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंकीपॉक्स की स्थिति और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। फिलहाल भारत में मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों और ग्राउंड क्रॉसिंग पर स्वास्थ्य इकाइयों पर -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हेमंत आदिवासी बेटे के हत्यारे को दे रहे संरक्षण : हिमंत

गिरिडीह (हि.स.)। असम सरकार के मुख्यमंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शनिवार को गिरिडीह जिलांतर्गत बेंगाबाद स्थित झारखंड पुलिस के स्व हवलदार चोहन हेंब्रम के घर परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे। दोनों नेताओं को बेंगा बाद पहुंचने के पूर्व प्रशासन ने स्व. हेंब्रम की पत्नी और बच्चों को घर से अन्यत्र पहुंचा दिया। मिलने आए सास-ससुर को भी पुलिस ले गई। स्व. हेंब्रम के घर पर उनकी वृद्धा माता सहित ग्रामीणों से हिमंत विश्व शर्मा एवं बाबूलाल मरांडी ने मुलाकात की और घटना की विस्तृत जानकारी ली। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए भाजपा की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मीडिया से बात करते हुए हिमंत ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह सरकार आदिवासी विरोधी, संवेदनाहीन और निरंकुश सरकार है, जिसे केवल वोट बैंक की चिंता है। हिमंत ने कहा कि हेमंत सरकार अपराधियों का भी तुष्टिकरण करती है। समुदाय और धर्म विशेष के अपराधी को यह सरकार संरक्षण प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गैंगरेप के आरोप में सजायाफ्ता अपराधी कैदी शाहिद अंसारी हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में इलाजरत था, जिसने उसकी सुरक्षा में प्रतिनियुक्ति हवलदार चौहान हेंब्रम की हत्या कर दी और फरार हो गया। यह राज्य की ध्वस्त विधि व्यवस्था को उजागर करता है। हिमंत ने कहा कि अपराधी एक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

शिक्षक की गंदी करतूत पर ग्रामीणों का गुस्सा भड़का

नई दिल्ली। असम के करीमगंज जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सरकारी स्कूल के मुख्य शिक्षक पर एक छात्रा को क्लास में अश्लील मूवी देखने के लिए मजबूर -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा साइट आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। राज्यपाल के इस फैसले के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी जंग छिड़ गई है। भाजपा कथित भूमि घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ अभियान चला रही है और उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में एक और पुल हुआ धराशायी

पटना। बिहार के भागलपुर जिले में आज सुबह करोड़ों रुपए की लागत से निर्माणाधीन सुल्तानगंज-अगुवानी घाट गंगा पुल का सुपर स्ट्रक्चर अचानक धराशायी हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि निर्माणाधीन सुल्तानगंज -अगुवानी घाट गंगा पुल के पाया संख्या नौ और 10 के बीच का सुपर स्ट्रक्चर (सपोर्ट सिस्टम) एक जोरदार आवाज के साथ शनिवार सुबह गिर गया और गंगा में समा गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस पुल का निर्माण एसपी सिंगला -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विश्वभर में अनिश्चितता के माहौल के बीच वैश्विक दक्षिण के देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी विभाजन और आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होना चाहिए। भारत द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आपसी व्यापार, समावेशी विकास और सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल साउथ के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया अभी तक कोविड के प्रभाव से पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

GOVERNMENT OF ASSAM
Assam State Museum
Directorate of Museums, Assam
Indigenous & Tribal Faith & Culture Department
welcomes all
to a special exhibition celebrating
World Photography Day,
19th August 2024
entitled
A SAGA IN PICTORIALS:
RESONANCE FROM THE PAST
Date: 19th August to 30th September 2024
Time: 10:00 am - 5:00 pm
(Closed on Mondays and all public holidays)
Inauguration by:
Dr. Ranoj Pegu
Minister
Education, Tribal Affairs (P),
Indigenous and Tribal Faith &
Culture (L & M) Deptt
Guests of Honour:
Shri Ranjan Sharma, ACS
Commissioner & Secretary to the Govt. of Assam,
Indigenous & Tribal Faith & Culture Department
Shri Manas Nath, ACS
Secretary to the Govt. of Assam,
Indigenous & Tribal Faith & Culture Department
-- Janasanyog /D/4412/24/18-Aug-24
Director of Museums, Assam
PUBLISHED BY DIRECTORATE OF INFORMATION AND PUBLIC RELATIONS, ASSAM Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in
Subscribe to Asom Barta Whatsapp 'Assam' at 8287912158

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीओके के लिए रिजर्व रहेंगी 24 सीट

जम्मू-कश्मीर में 114 में से केवल 90 सीटों पर होंगे चुनाव : ईसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जम्मू-कश्मीर राज्य विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। इस घोषणा के साथ ही जम्मू-कश्मीर में चुनाव के लिए 10 साल बाद सियासी माहौल गर्माने लगा है। विधानसभा के ये चुनाव वहां तीन चरणों में होंगे। ये चुनाव 18 सितंबर से 01 अक्टूबर तक होंगे। वोटिंग केवल 14 दिनों में हो जाएगी। हालांकि परिसीमन में राज्य में जितनी सीटें निर्धारित की गई, उतने पर चुनाव नहीं होंगे। जम्मू-कश्मीर में कुल 114 विधानसभा सीटें हैं लेकिन राज्य में विधानसभा सीटों के डिलीमिटेशन के बाद चुनाव केवल 90 सीटों पर ही होंगे। ये 24 सीटें पीओके यानि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तनों के कारण इनमें से केवल 90 सीटों के लिए, चुनाव होना तय है। 114 सीटों में 24 सीटें पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर के क्षेत्रों के लिए आरक्षित हैं, जिसका अर्थ है कि उन पर चुनाव नहीं लड़ा जा सकता है। इसलिए, चुनाव के लिए उपलब्ध सीटों की प्रभावी संख्या 90 है। जम्मू संभाग में 43 और कश्मीर संभाग में 47। राज्य का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद यहां पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव नवंबर-दिसंबर 2014 में हुए थे यानि दस साल पहले। चुनाव के बाद, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद का 7 जनवरी 2016 को निधन हो गया। फिर राज्यपाल शासन कम समय के लिए लगा। फिर महबूबा मुफ्ती ने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए रूप में शपथ ली। जून 2018 में भाजपा ने पीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन लागू हो गया। नवंबर 2018 में, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्य पाल मलिक ने राज्य विधानसभा भंग कर दी। 20 दिसंबर 2018 को राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।

झुकी बंगाल सरकार, 43 डॉक्टरों का तबादला आदेश लिया वापस

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या की घटना के विरोध में चल रहे जबर्दस्त आंदोलन के बीच बंगाल में एक साथ किए गए विभिन्न सरकारी अस्पतालों के 43 चिकित्सकों के तबादले के आदेश को चौतरफा विरोध के बाद आखिरकार राज्य सरकार ने वापस ले लिया है। इसमें अकेले आरजी कर अस्पताल के 10 डॉक्टर शामिल थे। अन्य डॉक्टर कोलकाता के दूसरे सरकारी अस्पतालों के थे। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार शाम को अधिसूचना जारी कर दूरदराज के जिलों में सबका तबादला कर दिया था। आरजी कर अस्पताल के कई नर्सिंग स्टाफ का भी तबादला किया गया था। राज्य में विपक्षी भाजपा सहित डॉक्टरों के एसोसिएशन ने शनिवार को इसका कड़ा विरोध किया था। इसके बाद शाम होते-होते मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर विभाग ने तबादला आदेश स्थगित कर दिया। खुद राज्य के स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम ने शाम में पत्रकारों को तबादला आदेश स्थगित किए जाने की जानकारी दी। हालांकि उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि यह नियमित तबादला था। दो महीने पहले ही इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई थी। इससे पहले दिन में भाजपा ने इस तबादला आदेश को ममता सरकार का तालिबानी फतवा करार देते हुए डॉक्टरों को आरजी कांड के खिलाफ आंदोलन करने की सजा बताई थी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन कर आरोप लगाया था कि बंगाल सरकार न्याय मांग रहे डॉक्टरों व मीडिया के एक वर्ग पर कार्रवाई कर रही है। ममता सरकार का एकमात्र एजेंडा सच को चुप कराना, दुष्कर्मियों को बचाना और किसी भी कीमत पर सुबूतों को नष्ट करना है। यह दोषियों को बचाने की सबसे भयावह व संस्थागत लीपापोती है। भाजपा के आइटी सेल के प्रमुख और बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि यह डॉक्टरों को डराकर अपने अधीन करने का यह एक हताश करने वाला प्रयास है। युनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट एसोसिएशन ने भी डॉक्टरों के तबादले का कड़ा विरोध किया है। दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग ने भाजपा के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि दो महीने पहले ही इसकी प्रक्रिया शुरु हो गई थी। यह नियमित तबादला है। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा (रास) सदस्य सुखेंदु शेखर राय ने आरजी कर अस्पताल की घटना के मद्देनजर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत तीन घायल

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा के गालेकी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 715 पर हुई एक घातक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने आज बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब, एक ट्रक (एएस-01पीसी-442) विपरीत दिशा में आ रहे ट्रक (एएस-12सीसी-3007) से टकरा गया। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि एक ट्रक का अगला हिस्सा ढह गया। ट्रक में फंसे चालक को पुलिस और स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी ओर दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तीन अन्य लोगों को गंभीर हालत में ईलाज के लिए बोकाखात अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मेघालय एचसी ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगाया प्रतिबंध

शिलांग। प्रधान न्यायाधीश एस वैद्यनाथन की अध्यक्षता वाली पीठ ने टेट्रा पैक कार्टन की भी वकालत की। यह मुख्य रूप से कागज से बने होते हैं और प्लास्टिक की जगह इस्तेमाल में लाए जाने के लिए एक प्रभावी विकल्प हो सकते हैं। अदालत ने कहा कि प्लास्टिक के खिलाफ लड़ाई सिर्फ एक पर्यावरण के लिए धर्मयुद्ध नहीं है, बल्कि हमारी दुनिया के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए एक लड़ाई है। खंडपीठ ने शुक्रवार को इस मामले पर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश जारी किया। अदालत ने कहा कि इस तरह के कदम की शुरुआत मंदिर परिसर से की जा सकती है। मंदिर के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पूजा स्थलों में और उसके आसपास प्लास्टिक की थैलियों का कोई उपयोग न हो। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि सभी मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए, ताकि अगर कोई मंदिर के अंदर प्लास्टिक ले जाता है, तो उस पर कुछ हद तक अंकुश लगाया जा सके। पीठ ने दुकानों पर प्लास्टिक की थैलियों के भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना लगाने का निर्देश भी दिया।

कुछ लोग राजनीतिक हित को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखते हैं : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि देश में कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक हित को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा है। धनखड़ ने शनिवार को नेल्लोर जिले के वेंकटचलम में स्वर्ण भारत ट्रस्ट में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में कुछ लोगों ने अनुचित कारणों से अपने राजनीतिक हित को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि उन्हें सद्बुद्धि आएगी। ऐसे लोग हमारे देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदानों से सीख लेंगे। धनखड़ का यह बयान राहुल गांधी द्वारा हिंडनबर्ग की नवीनतम रिपोर्ट के बाद भारत के शेयर बाजार की अखंडता के बारे में चिंता जताए जाने के बाद आया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राष्ट्र से आर्थिक राष्ट्रवाद अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने उद्योग, व्यापार और वाणिज्य क्षेत्रों से आग्रह किया कि वे अनावश्यक आयातों के बजाय स्थानीय उत्पादन को प्राथमिकता दें। उन्होंने अर्थव्यवस्था पर अनावश्यक आयात के नकारात्मक प्रभाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कालीन, वस्त्र और खिलौनों जैसी आयातित वस्तुओं पर हमारी निर्भरता न केवल हमारी विदेशी मुद्रा को विदेश भेज रही है, बल्कि घरेलू उद्यमिता के विकास में भी बाधा डाल रही है। धनखड़ ने प्राकृतिक संसाधनों के इष्टतम उपभोग की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित किया और नागरिकों से वित्तीय शक्ति के बजाय आवश्यकता के आधार पर संसाधनों का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक ताकत से प्रेरित प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बड़ा खतरा है। बेतहाशा खर्च के खिलाफ चेतावनी देते हुए धनखड़ ने कहा कि इस तरह की हरकतें आने वाली पीढ़ियों की खुशहाली को खतरे में डाल देंगी। उन्होंने कहा कि अगर हम पैसे की ताकत के आधार पर अनावश्यक खर्च करते हैं, तो हम आने वाली पीढ़ी को खतरे में डाल रहे हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा और सम्मान व्यक्त करते हुए धनखड़ ने राष्ट्र के कल्याण के लिए नायडू के आजीवन समर्पण पर प्रकाश डाला और उनके सार्वजनिक जीवन को आकार देने वाले आदर्शों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में एक अज्ञात व्यक्ति को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। 50 वर्षीय उस व्यक्ति की बुधवार रात 9.25 मिनट पर इलाज के दौरान जीएमसीएच में मौत हो गई। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने इसकी पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

पृष्ठ एक का शेष

सूचना देने पर मिलेगा ...

12 बजे के बीच होने थे, लेकिन तकनीकी विफलता के कारण बमों के विस्फोट न होने के कारण विस्फोटक उपकरणों को निष्क्रिय करने के लिए उन्होंने जनता से सहयोग मांगा। हालांकि, पुलिस ने इस मामले को सुलझाने में आत्मविश्वास दिखाया। मामले की जांच के लिए अधिकारियों और विंगों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा-इंडिपेंडेंट) की ओर से मीडिया घरानों को एक ईमेल भेजा गया। इसमें आतंकी संगठन ने कहा कि बम तकनीकी विफलता के कारण नहीं फटे। इसने 19 विस्फोटों की सही जगह की पहचान करने वाली एक सूची दी। साथ ही कहा कि पांच और विस्फोटकों के स्थानों का पता नहीं लगाया जा सका है। अधिकारी ने बमों को निष्क्रिय करने में जनता का सहयोग मांगा। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने गुवाहाटी में लगाए गए आठ उपकरणों का पता लगाया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को इनमें से पांच उपकरणों का पता लगा लिया गया, जिनमें से दो गुवाहाटी में थे और उन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, रात भर तलाशी जारी रही, जिसके परिणामस्वरूप शुक्रवार को दो और उपकरण बरामद हुए। इनमें से किसी भी उपकरण में विस्फोट नहीं हुआ और कोई भी घायल नहीं हुआ। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने बताया कि उपकरणों की बरामदगी की जांच के लिए गुवाहाटी में चार मामले दर्ज किए गए हैं और जांच की निगरानी के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। इसी तरह की एसआईटी उन अन्य जिलों में भी बनाई गई हैं जहां बम जैसे उपकरण बरामद किए गए हैं। सिंह ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि इस घटना में शामिल लोगों का पता लगा लिया जाएगा। मैं असम के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम जल्द ही जांच पूरी कर लेंगे और उन लोगों को पकड़ लेंगे जिन्होंने दहशत फैलाने की कोशिश की है। हम किसी को भी राज्य में शांति भंग करने की इजाजत नहीं देंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर कार्रवाई की जाए। नकद पुरस्कार का एलान करते हुए जीपी सिंह ने कहा कि हम इन *आईईडी जैसे उपकरणों* को बनाने वाले, परिवहन करने वाले और लगाने वाले के बारे में कोई भी विश्वसनीय जानकारी देने वाले को पांच लाख रुपए तक का नकद इनाम देने की घोषणा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शनिवार को अतिरिक्त महानिदेशक (मुख्यालय), और महानिरीक्षक (एसटीएफ) ऊपरी असम के जिलों के लिए रवाना होंगे और वहां तैयारियों की समीक्षा करेंगे। सिंह ने आगे कहा कि हमें 100 फीसदी उम्मीद है कि मामले का खुलासा हो जाएगा। हम लोगों को बताया चाहते हैं कि किसी को भी शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। गुवाहाटी के अलावा शिवसागर, डिब्रूगढ़, लखीमपुर, नगांव, नलबाड़ी, तामुलपुर, तिनसुकिया और गोलाघाट जिलों में भी कुछ स्थानों के नाम बताए गए हैं, जहां अल्फा-आई ने बम लगाने का दावा किया है। गुवाहाटी में चार, शिवसागर और लखीमपुर में दो-दो, और नगांव और नलबाड़ी में एक-एक *आईईडी जैसे उपकरण* बरामद किए गए हैं।

पटना में 200 ऑपरेशन...

फोर्टिस और अपोलो जैसे अस्पतालों ने अपनी ओपीडी, वैकल्पिक सर्जरी और आइपीडी सेवाएं बंद कर रखीं। बंगाल में जूनियर डॉक्टर आठ दिन से हड़ताल पर हैं। शनिवार को वरिष्ठ चिकित्सक भी शामिल हो गए। सरकारी अस्पतालों में गैर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं ठप रहीं। निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में भी कमोबेश यही हालात रहे। बिहार में पटना के सभी प्रमुख अस्पतालों में ओपीडी सेवा बंद रही। प्रमुख अस्पतालों में 200 से अधिक ऑपरेशन टल गए। दरभंगा के डीएमसीएच में दो दिनों में आठ ऑपरेशन टाले गए गए हैं। मुजफ्फरपुर में निजी व सरकारी अस्पतालों में ताला लटका रहा। राजकीय मेडिकल कॉलेज व अस्पताल बेतिया से 1500 मरीज लौट गए। भागलपुर में जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल में ओपीडी सेवा बंद रही। करीब 1500 मरीज बिना उपचार के लौट गए। झारखंड में करीब 17 हजार चिकित्सक और 25 हजार स्वास्थ्यकर्मी एक साथ हड़ताल पर रहे। ओपीडी बंद रहने के कारण हजारों मरीजों को लौटना पड़ा। जांच, रूटीन सर्जरी आदि भी प्रभावित रहीं। उत्तराखंड में नर्सिंग अधिकारी, फार्मेसिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, एनएचएम संविदा कर्मी सहित तमाम संगठनों ने हड़ताल को समर्थन दिया। इन सभी ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया। महिला चिकित्सक को न्याय की मांग को लेकर प्रत्येक जिले में मार्च भी निकाला गया। हिमाचल प्रदेश में पहली बार हुआ है जब सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी सेवाएं बंद रहीं। दूरदराज से आए रोगियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय...

के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक रेजिडेंट महिला डॉक्टर के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या करने के खिलाफ और महिला डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग को लेकर हड़ताल पर गए डॉक्टरों से मंत्रालय ने काम पर लौटने की अपील की है। मंत्रालय ने डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए आंदोलनकारी डॉक्टरों से जनहित में अपने काम पर लौटने का अनुरोध किया है। शनिवार को मंत्रालय की तरफ से जारी विज्ञप्ति के अनुसार फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और दिल्ली के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से मुलाकात की है। एसोसिएशनों ने कार्यस्थल पर स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा पर अपनी चिंता के संबंध में अपनी मांगें रखी हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने प्रतिनिधियों की मांगों को सुना और उन्हें स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। सभी एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि सरकार स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ है और उनकी मांगों के प्रति संवेदनशील है। यह देखा गया कि 26 राज्य पहले ही अपने-अपने राज्य में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए कानून पारित कर चुके हैं। संघों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के मद्देनजर, मंत्रालय ने उन्हें स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे सभी संभावित उपाय सुझाने के लिए एक समिति गठित करने का आश्वासन दिया। राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों के प्रतिनिधियों को समिति के साथ अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। मंत्रालय ने डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए आंदोलनकारी डॉक्टरों से व्यापक जनहित में अपने काम पर लौटने का अनुरोध किया।

पर्यटन विकास योजना ...

बाधाओं के कारण इसका पहले पूरा दोहन नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि लेकिन अब राज्य सरकार इन सभी बाधाओं को दूर करके सभी क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए शांति एक शर्त है और सरकार ने सुनिश्चित किया है कि शांति भंग न हो।

हरित ऊर्जा व्यवस्था ...

किया जाएगा। सरकार ने 10 किलोवाट तक की रूफटॉप सौर क्षमता की स्थापना के लिए तकनीकी व्यवहार्यता अनुमोदन को भी माफ कर दिया है। असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली चालू होने पर स्वीकृत लोड को स्वचालित रूप से 10 किलोवाट तक बढ़ा देगी। छत पर स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना के तीन दिन के भीतर चालू कर दिए जाएंगे और लाभार्थियों को बिना किसी अतिरिक्त भुगतान के स्मार्ट मीटर भी दिए जाएंगे। केंद्रीय सब्सिडी के बाद राज्य सब्सिडी भी लाभार्थियों को तुरंत जारी की जाएगी। राज्य सरकार ने अमीनगांव में एमएसएमई-टूल रूम और प्रशिक्षण केंद्र में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया और कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए 107 सौर तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया। योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए वितरण ट्रांसफार्मर (डीटीआर) संवर्धन और नई स्थापना का कार्य भी चल रहा है।

मंकीपॉक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य ...

अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। इन स्थानों को अधिक संवेदनशील बनाने के साथ परीक्षण प्रयोगशालाओं(लैब) को तैयार, करना, किसी भी मामले का पता लगाने, अलग करने और उसका प्रबंधन करने आदि के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को तैयार करने पर जोर देना चाहिए। वहीं स्थिति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक संयुक्त निगरानी समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), केंद्र सरकार के अस्पताल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के विशेषज्ञों ने भाग लिया। आने वाले हफ्तों में कुछ आयातित मामलों का पता चलने की संभावना को देखते हुए तैयारी पूरी होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि मंकीपॉक्स संक्रमण आमतौर पर 2-4 सप्ताह के बीच स्व-सीमित होता है और रोगी आमतौर पर सहायक प्रबंधन के साथ ठीक हो जाते हैं। संचरण के लिए संक्रमित मामले के साथ लंबे समय तक निकट संपर्क की आवश्यकता होती है और यह आम तौर पर यौन मार्ग, शरीर, घाव के तरल पदार्थ, या संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़ों, लिनन के सीधे संपर्क के माध्यम से होता है।

मुख्यमंत्री हेमंत आदिवासी ...

समुदाय विशेष का है। इसलिए वह आज तक गिरफ्तार नहीं हुआ, जिससे स्पष्ट है कि राज्य की पुलिस उसका संरक्षण कर रही और यह सब सरकार के इशारे पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसे गंभीरता से लिया है। पार्टी ऐसी राजनीतिक सोच को प्रदेश से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित है। साथ ही कहा कि राज्य सरकार मोहम्मद शाहिद अंसारी की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित कराए। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चौहान हेंब्रम की हत्या करने वाला सजायाफ्ता शाहिद अंसारी की गिरफ्तारी हो तथा फास्ट ट्रेक कोर्ट में सुनवाई कर फांसी की सजा दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार अपराध और अपराधी दोनों की संरक्षक बन गई है। हेमंत सरकार में सर्वाधिक पीड़ित समाज आदिवासी ही है। इस राज्य में आम खास कोई सुरक्षित नहीं। अपराधी सड़क पर, घर में, जेल में, अस्पताल में कहीं भी अपराध को अंजाम देने में सफल हो रहे हैं। इसके पीछे एकमात्र कारण है अपराधियों को सरकार का संरक्षण।

सीएम सिद्धारमैया के ...

सिद्धारमैया ने अपने और अपनी पत्नी बीएम पार्वती के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया है। सिद्धारमैया ने कहा कि वे राज्यपाल के जांच के आदेश के खिलाफ अदालत में चुनौती देंगे। एमयूडीए (मुडा) भूमि घोटाला विवाद सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री रहने के दौरान उनकी पत्नी को मुआवजे के तौर पर जमीन आवंटित करने से जुड़ा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इस प्रक्रिया में अनियमितता से सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। मामले में मुडा और राजस्व विभाग के शीर्ष अधिकारियों का भी नाम है। तीन कार्यकर्ताओं प्रदीप कुमार, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। सिद्धारमैया ने दावा किया था कि जिस जमीन के लिए उनकी पत्नी को मुआवजा मिला था, उसे 1998 में उनके भाई मल्लिकार्जुन ने उपहार में दिया था लेकिन कार्यकर्ता कृष्णा ने आरोप लगाया कि मल्लिकार्जुन ने 2004 में अवैध रूप से इसे खरीदा था और सरकार और राजस्व अधिकारियों की मदद से जाली दस्तावेजों का उपयोग करके इसे पंजीकृत कराया था। जमीन को 1998 में खरीदा गया दिखाया गया था। पार्वती ने 2014 में इस जमीन के लिए मुआवजे की मांग की थी, जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री थे। सिद्धारमैया ने इन आरोपों को *राजनीति से प्रेरित* बताकर खारिज कर दिया था और कहा था कि जब भाजपा सत्ता में थी, तब उनकी पत्नी को मुआवजा दिया गया था और यह उनका अधिकार था। उन्होंने पूछा कि वे (भाजपा) हैं जिन्होंने साइट दी है, अब अगर वे इसे अवैध कहते हैं, तो किसी को कैसे जवाब देना चाहिए ? कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा कथित मुडा घोटाले में उन पर मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने पर सिद्धारमैया ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार कर्नाटक में मेरे नेतृत्व को बर्दाश्त नहीं कर रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि कर्नाटक सरकार ने सभी गारंटी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। ये गारंटी योजनाएं सभी समुदायों, सभी धर्मों के गरीब लोगों के लिए हैं। केंद्र सरकार सामाजिक न्याय, गरीब लोगों और हमारी गारंटी के खिलाफ है। इसलिए साजिश रची जा रही है। सिद्धारमैया ने आगे कहा किराज्यपाल द्वारा कथित मुडा घोटाले में उन पर मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने की मंजूरी अवैध है। राज्यपाल केंद्र सरकार की कठपुतली हैं। इसलिए वे इस तरह की मंजूरी के खिलाफ अदालत में जाएंगे और वे अपनी लड़ाई लड़ेंगे।

बिहार में एक ...

कंपनी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि इस हादसे के बाद पुल के निमार्ण कार्य को रोक दिया गया है। कंपनी, राज्य पुल निर्माण निगम के अधिकारी और जिला प्रशासन के लोग मौके पर पहुंच गए हैं। गौरतलब है कि 1710.77 करोड़ रुपए की लागत वाले इस गंगा पुल का निर्माण कार्य 2015 से चल रहा है। वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा इसका शिलान्यास किया गया था। इससे पूर्व वर्ष 2022 में पुल का पाया संख्या पांच और वर्ष 2023 में पाया संख्या 9, 10,11,12 का सुपर स्ट्रक्चर धराशायी हो गया था। इसके बाद इस पुल के चालू होने की अवधि बढ़ती जा रही है। वर्ष 2026 में पुल को चालू करने का समय निर्धारित किया गया है, लेकिन इस हादसे के बाद इसमें भी संशय उत्पन्न हो गया है। यह पुल इससे पहले भी दो बार गिर चुका है। सबसे पहले यह पुल 30 अप्रैल 2022 को गिरा था। इसके बाद 4 जून 2023 को पुल का एक हिस्सा नदी में गिर गया था। पुल गिरने को लेकर स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच नहीं होने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भ्रष्टाचार की वजह से आए दिन राज्य में पुलों के गिरने की घटना सामने आती रहती है। पुल गिरने के मामले को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने सरकार पर हमला बोला है। राष्ट्रीय जनता दल के एक्स से किए गए पोस्ट में लिखा गया कि चुनाव पूर्व आनन-फानन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शिलान्यास किया गया। करोड़ से अधिक की लागत से वर्षों से निर्माणाधीन पुल ने तीसरी बार गिरकर हैट्रिक बनाई। अप्रैल में हवा के झोंके से भी यह पुल गिरा था, अब पानी के झोंके से गिरा। नीतीश कुमार कथित रूप से इतने ईमानदार हैं कि पुल इतने साल में नहीं बन पाया और तीन बार गिर गया। बेचारे इसका दोष सृष्टि और से पूर्व की अपनी दृष्टि को देकर सुशासन बाबू बन सकते है।

आतंकवाद, अतिवाद और ...

तरह बाहर नहीं निकल पाई है। दूसरी ओर युद्ध की स्थिति ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जलवायु परिवर्तन, हेल्थ सिक्योरिटी, फूड सिक्योरिटी और ऊर्जा सिक्योरिटी की चिंताएं भी हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद हमारे समाजों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। टेक्नोलॉजी विभाजित करना और टेक्नोलॉजी से जुड़ी नई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। पिछले सदी में बने ग्लोबल गवर्नेंस और फाइनेंशियल संस्थान इस सदी की चुनौतियों से लड़ने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर एक स्वर में एक साथ खड़े रहकर एक दूसरे की ताकत बनें। भारत, ग्लोबल साउथ के सभी देशों के साथ अपने अनुभव, अपनी क्षमताएं साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी व्यापार, समावेशी विकास, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की प्रगति और महिलाओं के नेतृत्व में विकास को बढ़ावा देना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल और एनर्जी कनेक्टिविटी से हमारे आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला है। मिशन लाइफ के अंतर्गत हम न केवल भारत में, बल्कि पार्टनर देशों में भी रूफ-टॉप सोलर और रिन्यूएबल पावर जनरेशन को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमने वित्तीय समावेशन और अंतिम मील वितरण के अपने अनुभव को साझा किया है। ग्लोबल साउथ के विभिन्न देशों को एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) से जोड़ने की पहल की है। शिक्षा, क्षमता निर्माण और कौशल विकास के क्षेत्रों में हमारी पार्टनरशिप में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। पिछले वर्ष ग्लोबल साउथ यंग डिप्लोमैट फोरम की भी शुरुआत की गई। *दक्षिण* यानी ग्लोबल साउथ एक्सीलेंस सेंटर, हमारे बीच क्षमता निर्माण, कौशल और नॉलेज शेयरिंग पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समावेशी विकास में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, बहुउद्देशीय डीपीआई का योगदान किसी क्रांति से कम नहीं है। हमारी जी-20 अध्यक्षता में बना ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी, डीपीआई पर ये अब तक का पहला बहुपक्षीय सहमति था। हमें खुशी है कि ग्लोबल साउथ के 12 पार्टनर्स के साथ *इंडिया स्टैक* साझा करने संबंधी समझौते हो चुके हैं। ग्लोबल साउथ में डीपीआई में तेजी लाने के लिए, हमने सामाजिक प्रभाव निधि बनाया है। भारत इसमें 25 मिलियन डॉलर का शुरुआती योगदान करेगा। उन्होंने कहा कि हेल्थ सिक्योरिटी के लिए हमारा मिशन एक विश्व-एक स्वास्थ्य है। हमारा विजन-आरोग्य मैत्री यानि स्वास्थ्य के लिए मित्रता है। हमने अफ्रीका और पैसिफिक आइलैंड देशों में अस्पताल, डायलिसिस मशीनें, जीवन-रक्षक दवाएं और जन औषधि केंद्रों के सहयोग से इस मित्रता को निभाया है। मानवीय संकट के समय, भारत एक प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता की तरह अपने मित्र देशों की सहायता कर रहा हैं। चाहे पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी फटने की घटना हो, या कीनिया में बाढ़ की घटना। हमने गाजा और यूक्रेन जैसे टकराव क्षेत्रों में भी मानवीय सहायता प्रदान की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां हम उन लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को आवाज दे रहे हैं, जिन्हें अब तक अनसुना किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकत हमारी एकता में है और इस एकता के बल पर हम एक नई दिशा की ओर बढ़ेंगे। अगले महीने यूएन में भविष्य का शिखर सम्मेलन हो रहा है। इसमें भविष्य के लिए समझौता पर बात चल रही है। उन्होंने कहा कि क्या हम सब मिलकर, एक सकारात्मक दृष्टिकोण ले सकते हैं, जिससे इस समझौते में ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद हो ?

शिक्षक की गंदी ...

करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। करीमगंज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पार्थ प्रतिम दास ने कहा कि घटना 12 अगस्त को हुई है। पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। लड़की के परिवार के सदस्यों ने बताया कि पहले तो वह उन्हें घटना के बारे में बताने में झिझक रही थी, लेकिन बाद में उसने अपनी मां को इसके बारे में बताया। पीड़िता ने खुलासा किया कि शिक्षक ने उसे कुछ गंदा देखने के लिए मजबूर किया। इसके अलावा टीचर ने उसे अनुचित तरीके से छुआ भी था। एसपी ने कहा कि गुस्साए स्थानीय लोगों ने शिक्षक पर हमला भी किया, लेकिन वह मौके से भाग निकला। गुस्साए लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ की और आग भी लगा दिया। इस मामले में एसपी ने कहा चूंकि स्थानीय लोगों ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, इसलिए हम उनके खिलाफ भी मामला दर्ज करेंगे। हम फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि हम अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं ताकि वे शिक्षा प्राप्त करें और बेहतर इंसान बनें, लेकिन वे ऐसे शिक्षक से क्या सीखेंगे।

राज्यपाल आचार्य ने किया पथरूघाट का दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज पथरूघाट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 28 जनवरी 1894 को अंग्रेजों की गोलियों का शिकार हुए किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने किसानों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए *शहीद स्तंभ* के समक्ष सिर झुकाया और भूमि राजस्व में मनमानी वृद्धि के खिलाफ उनके प्रतिरोध को याद किया। किसानों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने कहा कि शहीदों की भावना और उनका बलिदान विदेशी प्रभुत्व के खिलाफ कार्य करने के लिए असम के लोगों की अडिग प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि इन शहीदों के कार्य और औपनिवेशिक प्रशासन के खिलाफ उनका विद्रोह असमिया लोगों के दृढ़ स्वभाव और प्रतिरोध की एक शक्तिशाली गाथा को याद दिलाता है। राज्यपाल ने कहा कि पथरूघाट के सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना और इस स्थान पर आना मेरे लिए गर्व की बात है। उनके बलिदान ने विदेशी ताकतों के खिलाफ हमारे प्रतिरोध की भावना को दर्शाया है। वे वास्तव में हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। राज्यपाल आचार्य ने शहीद स्तंभ के परिसर में वृक्षारोपण भी किया और इसे *एक पेड़ किसानों के नाम* के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह किसानों के बलिदान की याद दिलाएगा।

आईएमए की देशव्यापी डॉक्टरों की हड़ताल से असम भी प्रभावित

डॉक्टरों की 24 घंटे की हड़ताल से ओपीडी सेवाएं बंद व सर्जरी टली

गुवाहाटी (हिंस)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के आह्वान पर शुक्रवार को देशभर में डॉक्टरों की 24 घंटे की हड़ताल जारी है। इसका असर असम के मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में भी दिखा। आज गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल, नगांव मेडिकल कालेज अस्पताल, जोरहाट मेडिकल कालेज अस्पताल, शिवसागर मेडिकल कालेज अस्पताल, बरपेटा मेडिकल कालेज अस्पताल सहित असम के विभिन्न स्थानों पर डॉक्टरों ने विरोध जताया। हालांकि, इन अस्पतालों में सभी आवश्यक और आपातकालीन सेवाएं जारी हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। इसकी वजह से असम के अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं और निर्धारित सर्जरी निलंबित कर दी गई हैं। यह डॉक्टर अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। अस्पतालों में सभी आवश्यक और आपातकालीन सेवाएं जारी हैं। हड़ताल शनिवार सुबह 6 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कुछ लोगों ने एक महिला डॉक्टर पर हमला कर उससे दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देशानुसार पर जांच सीबीआई को सौंपी गई है। इस घटना को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। इस घटना के बाद 15 अगस्त की रात को उपद्रवियों के एक समूह ने फिर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के उस जगह पर तोड़फोड़ की, जहां महिला डॉक्टर के साथ घटना घटी थी। माना जा रहा है कि यह हमला जांच प्रक्रिया के सबूतों को नष्ट करने के लिए किया गया है। उपद्रवियों ने वहां प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर छात्रों को भी निशाना बनाया।

मेडिकल छात्रा के लिए न्याय की मांग में एबीवीपी ने गुवाहाटी में किया प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। मेडिकल कॉलेज की छात्रा के लिए न्याय की मांग को लेकर एबीवीपी ने गुवाहाटी के विभिन्न इलाकों में प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ हुए बलात्कार की घटना ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने आज गुवाहाटी के मालीगांव, आर्य नगर और डाउनटाउन यूनिवर्सिटी के पास विरोध-प्रदर्शन किया। इन अपराधों ने खासकर पश्चिम बंगाल में, एक बार फिर महिला सुरक्षा के खोखले स्वरूप को उजागर किया है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने आज गुवाहाटी में मेडिकल कॉलेज की छात्रा को न्याय दिलाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए सरकार से न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने घटना की कड़ी निंदा की और पीड़ितों को सजा देने की मांग की और पश्चिम बंगाल सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने ममता बनर्जी से तत्काल इस्तीफा देने की भी मांग की, जिन्होंने घटना की नैतिक जिम्मेदारी ली है।

70वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप संपन्न

पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने विजेताओं को किया सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे खेलकूद संघ (एनएफआरएसए) द्वारा आयोजित 70वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024-25 (पुरुष और महिला) सफलतापूर्वक संपन्न हुई। समापन समारोह में उपस्थित पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने एनएफआरएसए के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि गत 12 अगस्त को शुरू हुए इस चैंपियनशिप में 13 पुरुष टीम और 6 महिला टीमों ने भाग लिया, जिसमें देश भर से भारतीय रेल के विभिन्न जोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 180 खिलाड़ी, रेफरी और कोच शामिल थे। इस आयोजन में पुरुष और महिला टीम चैंपियनशिप के साथ-साथ पुरुष और महिला एकल चैंपियनशिप सहित कई श्रेणियों में प्रतियोगिताएं हुईं। सभी प्रतिभागी जोनों में से दक्षिण पूर्व रेलवे पुरुष और महिला दोनों टीम चैंपियनशिप में विजेता बना। महिला एकल वर्ग में, पश्चिम रेलवे की अनुषा कुटुंबले ने पूसीरे की टेकमी सरकार को हराकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। पुरुष एकल वर्ग में, पूर्व रेलवे के रोनित भांजा दक्षिण पूर्व रेलवे के जीत चंद्र को हराकर चैंपियन बने। टूर्नामेंट में दक्षिण पूर्व रेलवे की सुतीर्था मुखर्जी जैसे कई प्रमुख खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और विश्व टेबल टेनिस महिला युगल की विजेता भी रहीं। भाग लेने वाले अन्य विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में रोनित भांजा (पूर्वी रेलवे), अनिर्बान घोष (दक्षिण पूर्व रेलवे), पयमंती बैश्य (मेट्रो रेलवे) और अनुषा कुटुंबले (पश्चिमी रेलवे) शामिल थे, जिन्होंने टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ी। चैंपियनशिप का समापन बीती रात को हुआ।

बीटीआर में मोती की खेती पर व्यापक रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

कोकराझाड़। सतत विकास और महिलाओं की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सशक्तिकरण, बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में सहयोग विभाग ने किया है। मोती की खेती पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। यह पहल, 100 दिन का हिस्सा है बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो के नेतृत्व में कार्य योजना, वाइब्रेंट बीटीआर मिशन के अनुरूप है सहकारी समितियों को मजबूत करना और क्षेत्र में स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना। अपने उद्घाटन भाषण में, सहयोग विभाग के बीटीसी कार्यकारी सदस्य वकील मुशहरी ने महिला प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया। भविष्य की विभागीय पहलों में उनकी भागीदारी के संकेत के रूप में उनके उत्साह की सराहना की। अरे मोती की खेती की लाभप्रदता और मापनीयता पर जोर दिया, प्रतिभागियों से इसे एक के रूप में देखने का आग्रह किया। पारंपरिक कृषि पद्धतियों का आकर्षक विकल्प। मुशहरी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कार्यक्रम बीटीआर में सहकारी समितियों के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है और व्यक्त किया गया है विश्वास है कि यह भविष्य की वृद्धि और सामुदायिक विकास के लिए एक मानक स्थापित करेगा। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए बीटीसी सहयोग विभाग के संयुक्त सचिव पामी ब्रह्मा उन्हें चावल की खेती जैसे पारंपरिक क्षेत्रों से परे अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया मछली पकड़ना। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण न केवल व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए बनाया गया है प्रतिभागियों को नवीन और गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में उद्यम करने के लिए प्रेरित करें। के मार्गदर्शन में 16 अगस्त से 22 अगस्त 2024 तक चलने वाला प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रसिद्ध मोती खेती विशेषज्ञ रुलेन हजारिका। कार्यक्रम में आवश्यक कौशल शामिल होंगे स्वस्थ मसल्स का चयन, मसल्स स्वास्थ्य के लिए इष्टतम पर्यावरणीय परिस्थितियों को समझना और मोती का विकास, और शल्य चिकित्सा उपकरणों, नसबंदी, और नाभिक प्रत्यारोपण में महारत हासिल करना तकनीकें। यह प्रशिक्षण 19 और 20 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम पर आधारित है। कोकराझाड़ जिले में सहकारी समिति के शेयरधारकों के लिए। सहकारिता विभाग के सीएचडी, जयंता खेरकाटरी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सृजन करना है छह महीने की अवधि में प्रत्येक बीटीआर जिले से 20 महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रतिभागियों को मसल्स ऑपरेशन से प्रतिदिन 1, 000 तक कमाने की उम्मीद थी। इसके अतिरिक्त, सदस्यों को 15 महीने की अवधि में तालाबों और सीपियों की देखरेख के लिए नियुक्त किया जाएगा, जिससे 5, 000 की कमाई होगी से 7, 000 प्रति माह। विभाग अन्य बीटीआर में भी इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार करने की योजना बना रहा है जिले, क्षेत्र को मोती उत्पादन के केंद्र के रूप में स्थापित करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं। इस पहल से नई आय उत्पन्न करके स्थानीय अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने का अनुमान है और रोजगार के अवसर चूंकि बीटीआर खुद को मोती की खेती में अग्रणी के रूप में स्थापित करता है, इसलिए लाभ मिलता है इस कार्यक्रम का योगदान तत्काल प्रतिभागियों से आगे बढ़ने की उम्मीद है अधिक लचीली और विविधीकृत क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था।

तेरापंथ युवक परिषद, नगांव ने स्वतंत्रता दिवस पर जैन गोट टैलेंट का आयोजन किया

नगांव (निसं)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष मे, नगांव के तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा *जैन गोट टैलेंट - 2.0* का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई। तत्पश्चात तेरापंथ युवक परिषद् के अध्यक्ष गोविंद कोठारी ने सबका स्वागत एवं अभिनंदन किया, तेरापंथ युवक परिषद् के मंत्री : अमित दुग्गड़ एवं पूर्व अध्यक्ष विवेक बोरड ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सर्वप्रथम निर्णायक मंडली का आदर एवं सम्मान किया एवं कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। निर्णायक मंडली में कुल तीन जज थे, जिसमें फैंसी ड्रेस के जजमेंट हेतु संगीता देवी चौरड़िया, सिंगिंग के जजमेंट हेतु संगीता दस्सानी एवं डांसिंग के जजमेंट हेतु मनीष सेठिया को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम को कुल 2 हिस्सों में विभाजित किया गया पहला, ग्रुप ए : (3 से 8 वर्ष तक), दूसरा ग्रुप बी: (8 से 16 वर्ष तक), जिसमें हर ग्रुप के लिए कुल 3 कैटेगरी रखी गई : (1) सिंगिंग, (2) डांसिंग और (3) फैंसी ड्रेस। कार्यक्रम में कुल 30 बच्चों ने हिस्सा लिया और उनके द्वारा कुल 70 प्रस्तुतिया दी गईं। तेयुप के मंत्री अमित दुग्गड़ एवं तेयुप के सदस्य मनीष दुग्गड़ ने देश भक्ति के गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के संयोजक सन्नी कोठारी एवं तेयुप कार्यकरणी के सदस्य मनीष पुगलिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में तेयुप कार्यकरणी के सदस्य, आभातेयुप के क्षेत्रीय प्रभारी: अजीत कोठारी, तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष रमेश सुराना, उपाशीका : सरला देवी गुजरानी, तेरापंथ महिला मंडल, अणुव्रत समिति एवं समाजबंधुओं और बच्चों की गरिमामय उपस्थिति रही।

पद्मावती माता मंदिर में सामूहिक गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन

गुवाहाटी। स्थानीय मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में सावन महीने के आखरी शुक्रवार को पद्मावती माता एवं छत्रपाल बाबा की वेदी में दीप प्रज्ज्वलित कर फूलों से अलौकिक सिंगार किया गया। तत्पश्चात माता का जाप, अभिषेक सिंगार आदि के पश्चात माता की सामूहिक गोद भराई कि गई। इस मौके पर स्थानीय महिला गायक कलाकारों ने अपने-अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में चैनरूप- शारदा देवी बगड़ा, आकाश- सोनाक्षी बगड़ा, कनक जैन आदि लोगों के अलावा काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन माता की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख चैंनरूप बगड़ा एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

नॉर्थईस्ट कला मेला में 11 पूर्व सैनिक सम्मानित

गुवाहाटी। महानगर के पान बाजार स्थित रोपवे टर्मिनल फील्ड में आयोजित *नॉर्थईस्ट कला मेला* के दौरान कुल 11 पूर्व सैनिकों को अमृतसेम की ओर से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) और नॉर्थईस्ट कला मेला के सहयोग से आयोजित किया गया है, जिसमें पूर्वोत्तर के रचनात्मक स्टार्ट-अप का समर्थन करने के उद्देश्य से कई प्रदर्शनियां, प्रतियोगिताएं और कार्यशालाएं शामिल हैं। एक विशेष अभियान, *हर घर तिरंगा* भी इस समारोह का हिस्सा है, जो देशभक्ति और पूरे क्षेत्र में एकता।

इस अवसर पर अमृत सीमेंट लि. के प्रबंध निदेशक प्रदीप बागला ने कहा कि नॉर्थईस्ट कला मेला हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए एक अद्भुत श्रद्धांजलि और कलात्मक अभिव्यक्ति का उत्सव है। हम, अमृतसेम में, राज्य भर के लोगों की उत्साही भागीदारी से रोमांचित हैं और क्षेत्र में मौजूद अपार प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करके खुश हैं। यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजन प्रदान करता है बल्कि स्थानीय कलात्मकता और नवाचार के उत्सव को भी प्रोत्साहित करता है, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करता है। यह कार्यक्रम सामुदायिक जुड़ाव के साथ-साथ क्षेत्र के सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने के लिए हमारे समर्पण को रेखांकित करता है। निदेशक उमंग बागला ने कहा कि हम इस आयोजन की सफलता से बहुत खुश हैं, जो न केवल स्वतंत्रता दिवस मनाता है बल्कि स्थानीय कलाकारों और रचनाकारों के लिए एक मंच भी प्रदान करता है। यह पहल सांस्कृतिक और सामुदायिक विकास का समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह हमारे लिए अपने देश की स्वतंत्रता का जश्न मनाने और साथ ही इसकी विविध सांस्कृतिक प्रतिभाओं को अपनाने और प्रदर्शित करने का एक अविश्वसनीय अवसर है। इस क्षेत्र के अग्रणी सीमेंट ब्रांडों में से एक अमृतसेम राष्ट्रीय आजादी का महोत्सव अभियान के हिस्से के रूप में पूर्व सैनिकों को सम्मानित कर गर्व महसूस कर रहा है।

रंगिया में ऑल असम रेलवे हॉकर्स एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन

रंगिया (निसं)। रंगिया में ऑल असम रेलवे हॉकर्स एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पूरे असम से लगभग 500 प्रतिनिधि सत्र में एकत्र हुए। समय-समय पर इन फेरीवालो को बैठक में अपने सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा किया गया। कहा जाता है कि मुख्य रूप से ट्रेन में व्यवसाय करते समय उन्हें आरपीएफ से काफी उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। बैठक में रंगिया विधायक एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी आशुतोष पाठक, श्रम विभाग के अधिकारी पंकज पाठक, रंगिया पौरसभा के महापौर अमरेंद्र लाहकर, सुवल पाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा कि इन छोटे व्यापारियों द्वारा उठाई गई मांगों का विभागीय स्तर पर समाधान किया जाएगा का आश्वासन दिया।

वनबंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति का सिंधारा कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी महिला समिति की सदस्यों ने सावन मास के हरियाली तीज का सिन्धारा का प्रोग्राम एकल भवन में बहुत धूम-धाम एवं उत्साह के साथ सभी सखियों के साथ किया। सभी बहनें लाल हरे परिधान में गजरा चूडी बिन्दिया एवं विभिन्न साजसज्जा से सजधज कर आई। सभी ने राजस्थान की थीम पर हरियाली तीज की सावन की खुशनुमा बहार बिखेर दी। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष उमा देवड़ा, जोनल अध्यक्ष ललिता जैन निवर्तमान अध्यक्ष रीता अग्रवाल, अध्यक्ष वंदना बागड़िया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर अध्यक्ष वंदना बागड़िया ने सभी सदस्यों का स्वागत व अतिथियों का किया। इंदिरा जिंदल

एवं नीरू गुप्ता द्वारा प्रस्तुत हास्य नाटिका नेसब को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया। मीरा श्याम अग्रवाल द्वारा अद्भुत रेट्रो नृत्य की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। जहां अनिता अग्रवाल की सुरीलीआवाज श्री कृष्ण राधारानी पर सावन के झूलेका मनमोहक गीत सुना कर सबके मन को लुभा रहे वहीं सरोज अग्रवाल के राजस्थान के सावन के गीत पर सब मस्ती से झूम उठे। ज्योति बाजोरिया के भाव-विभोर नृत्य ने सभी का मनमोह लियाऔर सभी बहनें प्रोत्साहित होकर मंच पर थिरकने लगी। सावन के गीत गाते हुए हाऊजी का सभी ने आनंद लिया एवं लजीज स्वादिष्ट व्यंजनों का सभी ने भरपूर लुत्फ उठाया मेजबान सदस्य अनीता अग्रवाल, बिमला बजाज, जयति जाना, निर्मला कयाल, जयश्री झुनझुनवाला के प्रयास से सफल कार्यक्रम रहा। इस कार्यक्रम में जो अतिथि आए थे। उन्होंने सदस्यता ग्रहण की। मिडिया प्रभारी बिमला बजाज ने बताया कि कार्यक्रम संयोजिका नीरू के अथक प्रयास से कार्यक्रम सफल रहा। नीरु गुप्ता द्वारा गाने को उल्टाकर के गाने की कला भी अद्भुत थी। समिति की अध्यक्ष वंदना बागड़िया ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम जहां समाज के बहनों को एकल अभियान के कार्यों की जानकारी मिल जाती है वहीं इस राष्ट्र व्यापी जन आंदोलन से से जुड़ कर हमारे देश को, गांव को सशक्त बनाने की प्रेरणा देती है।

No.DDB/SOPD/5/2023-24 Dated:17/O8/2024

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five) only with o validity period of 180 Days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are Invited from the registered Contractors of Class-II and Class-I (A, B & C) category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC, according to their edibility for submitting tenders for the works under **SOPD-G Fund for the year 2024-25** as Stated below. The tenders will be received by the undersigned up to **12.00 Noon** on **09/09/2024** and will be opened on the same date & place at **3.00 P.M.**

Sl. No.	Name of works	Tender Amount (Approx)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1	Improvement of Road with sand gravel Road from Kamal Baro house Dhadhigaon Pukhuri at Kharigaon.	Rs.10.00 Lakh	Rs.500/-	3 (three)Months from the date of issue of F.W.O.
2	Construction of Community Hall at Baganpara	Rs. 17.00 Lakh	Rs. 500/-	3 (three)Months from the date of issue of F.W.O.
3	Improvement of road with S/G road from 1 No. LP School to NC Bagulamari Bina Munda house	Rs. 10.00 Lakh	RS. 500/-	3 (three)Months from the date of issue of F.W.O.

Detail N.I.T. maybe seen in all working days during office hours in the othce ot the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 17/08/2024 to 09/09/2024 in the office of the undersigned on payment in the form of Demand Draft/Banker's Cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC Kokrajhar, payable at Kokrajhar.

IPR(BTC)/C/2024-25/320

Sd/- Block Development Officer,
Dhamdhama Dev. Block, Baganpara

संपादकीय

टुकड़े-टुकड़े परिसर

शिक्षा का मूल्यांकन करता राष्ट्रीय सर्वेक्षण देश के सौ संस्थानों में से हिमाचल के केवल तीन को चुनता है, जबकि एनआईटी हमीरपुर अपने अस्तित्व के फलक पर लुढक़ कर निराश कर रहा है। आईआईटी मंडी 33वें, आईआईएम सिरमौर 57वें, तो शूलिनी यूनिवर्सिटी 70वें स्थान पर विराजित होकर वो कार्य कर रहे हैं, जहां राज्य के अन्य विश्वविद्यालय सजावटी सिद्ध हो रहे हैं। यह दीगर है कि अपनी कैटेगिरी के राष्ट्रीय स्तर पर नौणी विश्वविद्यालय 18वें, तो कृषि विश्वविद्यालय 19वें रैंक पर कमोबेश अपनी हैसियत का बचाव करते हुए दिखाई देते हैं, वरना राष्ट्रीय पैमानों से दरकिनार हुई शिमला यूनिवर्सिटी की औकात को क्या कहें और मंडी विश्वविद्यालय का नाम ही क्यों लें। ले जाएं हिमाचल के सारे नेता और निचोड़ दें केंद्रीय विश्वविद्यालय को देहरा के सियासी आखेट में। न दें जदरांगल परिसर को घोषित तीस करोड़। बांट दें इस विश्वविद्यालय के टुकड़े-टुकड़े परिसर, लेकिन अंततः शिक्षा के बीज बोएगा कौन। शिक्षा कैसे हलाल हो सकती है, इसका उदाहरण है केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला और इस जीत के लिए अनुराग ठाकुर, किशन कपूर, प्रेम कुमार धूमल, जयराम ठाकुर और अब सुखविंदर सिंह सुक्खू को बधाई। उन तमाम कुलपतियों को भी बधाई जो प्रतिष्ठित शिमला विश्वविद्यालय को इस हालात में पहुंचा चुके हैं कि आज देश के सामने यह परिसर शर्मिंदा है। हम फर्जी श्लाघा के किरदार हैं, इसलिए मंडी में विश्वविद्यालय को लेकर आज तक पकी खिचड़ी पर खुश हैं। आईआईटी मंडी और सिरमौर के आईआईएम के चमकने में हिमाचल कोई किरदार नहीं और न ही शूलिनी यूनिवर्सिटी के निजी प्रयास में कोई सरकार हकदार है। यही वजह है कि अब मात्रात्मक शिक्षा के प्रसार को ठुकरा कर हिमाचल की प्रतिभा राज्य की पाठ्य सामग्री और पाठ्यक्रमों से कहीं दूर अपने लिए गुणवत्ता की छांव ढूंढ रही है। अगर ढांचा अच्छा होता तो ये मीनारें यूं न टूटतीं, तेरी बस्ती में अब सन्नाटों के सिवा है क्या। कमोबेश हिमाचल के सभी कालेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा का यह सत्र घाटे का है, नकारात्मकता का है, क्योंकि सैकड़ों की संख्या में सीटें खाली हैं। शिमला विश्वविद्यालय तक को हाथ जोड़ कर छात्रों का अभिनंदन करना पड़ रहा है। इसी बीच हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने सरकारी विश्वविद्यालयों को शिक्षा में गुणवत्ता और आत्मनिर्भर परिसर बनने का मूल मंत्र दिया है। हम शिक्षित तो हो रहे हैं, लेकिन पढ़े-लिखे साबित नहीं हो रहे हैं। आज भी कृषि विश्वविद्यालय का असर खेत में नहीं, तो चिलगोजे की गांठ पर नौणी विश्वविद्यालय के शोध का कोई परिणाम नहीं। इस दौरान लोगों ने स्वयं खेती-खेत और बागबानी-बागीचे को बदल दिया है। प्रदेश में हजारों निजी नर्सरियां और बीज बिक्री केंद्र अब किसान-बागबान की मेहनत को नए अरमान दे रहे हैं। आईआईटी मंडी ने नवाचार में आठवां रैंक हासिल किया, तो उसकी फैकल्टी को प्रणाम, वरना हिमाचल के अपने संस्थानों में ऐसा माहौल ही नहीं बना कि छात्र स्वरोजगार, स्वावलंबन, नए शोध-नए प्रयोग, इनोवेशन और उद्यमशीलता में आगे बढ़ें। आज भी हम मुफ्त के राशन, सरकारी नौकरी के भाषण और राजनीतिक लांछन में बच्चों को शिक्षा का मूल पाठ नहीं पढ़ा पा रहे, वरना हमारे इंजीनियरों में औद्योगिक उत्पादकता बढ़ाने का दम होता। स्टार्टअप योजना के तहत पूरा प्रदेश आईटी का हब होता। हमारे डाक्टर अब तक हिमाचल को मेडिकल टूरिज्म की सौगात बना चुके होते, लेकिन अफसोस हमारी शिक्षा का दोष बनकर हर हिमाचली मरीज को दूसरे राज्यों के संस्थानों में जिंदगी की भीख मांगनी पड़ रही है। कभी हमने मंचों पर कहा कि प्रदेश शिक्षा का हब बनेगा, लेकिन आज हमारी किताब के हर पन्ने को शिकायत है, शिक्षा के हर शब्द से पढ़ाई के अर्थ बिखर रहे हैं।

> आईआईटी मंडी 33वें, आईआईएम सिरमौर 57वें, तो शूलिनी यूनिवर्सिटी 70वें स्थान पर विराजित होकर वो कार्य कर रहे हैं, जहां राज्य के अन्य विश्वविद्यालय सजावटी सिद्ध हो रहे हैं। यह दीगर है कि अपनी कैटेगिरी के राष्ट्रीय स्तर पर नौणी विश्वविद्यालय 18वें, तो कृषि विश्वविद्यालय 19वें रैंक पर कमोबेश अपनी हैसियत का बचाव करते हुए दिखाई देते हैं, वरना राष्ट्रीय पैमानों से दरकिनार हुई शिमला यूनिवर्सिटी की औकात को क्या कहें और मंडी विश्वविद्यालय का नाम ही क्यों लें। ले जाएं हिमाचल के सारे नेता और निचोड़ दें केंद्रीय विश्वविद्यालय को देहरा के सियासी आखेट में। न दें जदरांगल परिसर को घोषित तीस करोड़। बांट दें इस विश्वविद्यालय के टुकड़े-टुकड़े परिसर, लेकिन अंततः शिक्षा के बीज बोएगा कौन। शिक्षा कैसे हलाल हो सकती है, इसका उदाहरण है केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला और इस जीत के लिए अनुराग ठाकुर, किशन कपूर, प्रेम कुमार धूमल, जयराम ठाकुर और अब सुखविंदर सिंह सुक्खू को बधाई। उन तमाम कुलपतियों को भी बधाई जो प्रतिष्ठित शिमला विश्वविद्यालय को इस हालात में पहुंचा चुके हैं कि आज देश के सामने यह परिसर शर्मिंदा है।

डॉक्टरों की बुनियादी मांग यह है कि इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए

महिला डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

> जीवन-रक्षा करने वाले अस्पतालों एवं जीवन-रक्षक डाक्टरों पर हो रहे हमले, बर्बर एवं वीभत्स घटनाएं चिन्तनीय है। यह सरकारों एवं पुलिस की असफलता, लापरवाही एवं कोताही को ही दर्शा रही है। ऐसी घटनाओं में पुलिस की भूमिका अनेक सवाल खड़े कर रही है। कोलकाता की इस घटना ने एक बार फिर इस तथ्य की ओर ध्यान खींचा है कि अस्पतालों में डॉक्टरों को किस तरह के खतरों के बीच काम करना पड़ता है। डॉक्टर अपनी सुरक्षा को लेकर भी डरे एवं सहमे हुए हैं। लेडी डॉक्टर्स ही नहीं, पुरुष डॉक्टर भी तरह-तरह के हमलों की आशंकाओं एवं असुरक्षा के बीच जीते हैं।

कोलकाता के एक मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के दुराचार, बलात्कार व बर्बर हत्या पर स्वाभाविक ही देशभर के आमजन में तीखी प्रतिक्रिया एवं डॉक्टरों तीव्र रोष, गम और गुस्सा है, उसे समझा जा सकता है। जीवन-रक्षा करने वाले अस्पतालों एवं जीवन-रक्षक डाक्टरों पर हो रहे हमले, बर्बर एवं वीभत्स घटनाएं चिन्तनीय है। यह सरकारों एवं पुलिस की असफलता, लापरवाही एवं कोताही को ही दर्शा रही है। ऐसी घटनाओं में पुलिस की भूमिका अनेक सवाल खड़े कर रही है। कोलकाता की इस घटना ने एक बार फिर इस तथ्य की ओर ध्यान खींचा है कि अस्पतालों में डॉक्टरों को किस तरह के खतरों के बीच काम करना पड़ता है। डॉक्टर अपनी सुरक्षा को लेकर भी डरे एवं सहमे हुए हैं। लेडी डॉक्टर्स ही नहीं, पुरुष डॉक्टर भी तरह-तरह के हमलों की आशंकाओं एवं असुरक्षा के बीच जीते हैं। सबसे बड़ी बात यह कि घटना के बाद भी पुलिस संतोषनक कार्रवाई नहीं कर सकी। डॉक्टरों की बुनियादी मांग यह है कि इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए।

यह घटना दर्दनाक होने के साथ-साथ अमानवीयता एवं क्रूरता की पराकाष्ठा थी, क्योंकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महिला डॉक्टर की आंखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट से खून बहने के अलावा उसके शरीर पर चोट के कई निशान मिलने की बात कही गई है। इस त्रासद एवं खौफनाक घटना के विरोध में देशभर में गुस्साए और फिक्रमंद डॉक्टर बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं चरमरा गयी हैं एवं सभी हिस्सों में ओपीडी सेवाएं बाधित एवं प्रभावित हो रहीं। जाहिर है, इससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब चूंकि इस मामले का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी है और राज्य पुलिस को सारे कागजात बुधवार 10 बजे तक सीबीआई को सौंपने की हिदायत दी है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि मामले की संतोषजनक जांच होगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या अस्पतालों में सिर्फ डॉक्टर ही खतरे में होते हैं? डॉक्टरों के साथ नर्स, अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं रोगी भी कहां सुरक्षित है? हालांकि हड़ताली डॉक्टरों ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को मुद्दा बनाया है, लेकिन नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले कभी इतना बड़ा मुद्दा क्यों नहीं बनते? मसला मरीजों की सुरक्षा का भी है। 2024 में अस्पतालों में हुए यौन हमलों के हर पांच में से चार

मामलों में पीड़ित महिला मरीज रही हैं। सवाल यह भी है कि अस्पतालों में ओवरचार्ज के रूप में मरीजों पर होने वाले वित्तीय हमलों को क्यों चर्चा से बाहर रखना चाहिए? आखिर अस्पतालों में बनते असुरक्षा के माहौल का यह भी एक अहम पहलू है। हमारे अस्पताल हर तरह से सुरक्षित होने चाहिए और इसके लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। संभवतः इसीलिए हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून बनाया जाए।

बढ़ते डॉक्टरों पर हमलों के कारण उनका डर और उनकी चिंता जायज है। लेकिन जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो सवाल यह है कि क्या कोलकाता में लेडी डॉक्टर पर हुआ हमला कड़े कानूनों की कमी का परिणाम माना जा सकता है? सच यह है कि ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्सन्स और मेडिकेयर सर्विस इंस्टीट्यूशंस (हिंसा या क्षति या संपत्ति के नुकसान की रोकथाम) अधिनियम पहले से ही लागू है। अब तो हर अस्पताल में डाक्टरों पर हमलों के लिये चेतावनी के बोर्ड देखने को मिलते है कि ऐसी घटनाओं को अपराध मानते हुए उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी ही आरोप तय होने के बाद अदालत तक पहुंच पाते है। जाहिर है, मूल समस्या कानून में नहीं, उस पर अमल में है। अदालत ने उचित ही आंदोलित डॉक्टरों को उनके पवित्र एवं पावन दायित्व का एहसास कराया है और उनसे अपने काम पर लौटने की अपील की है। आखिर किसी जालिम की करतूत की सजा बेकसूर मरीजों को क्यों मिलनी चाहिए? इसलिये न्याय मांगते डॉक्टरों को भी सोचना चाहिए कि इंसाफ का तकाजा क्या यह भी नहीं है कि किसी मरीज से नाइंसाफी न हो?

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के एक अध्ययन के अनुसार, 75 प्रतिशत से अधिक डॉक्टरों को काम पर हिंसा का सामना करना पड़ता है। तूतीकोरिन में एक महिला डॉक्टर की हत्या एक गर्भवती महिला के पति ने की थी, जिसे गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। उसे दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया था, लेकिन उसे स्थानांतरित किए जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पति ने तीन साथियों के साथ महिला डॉक्टर के परामर्श कक्ष में प्रवेश किया और उस पर तलवार से हमला किया। 2014 में, पंजाब के मनसा जिले में एक लड़के की मौत के बाद एक डॉक्टर के क्लिनिक को जला दिया गया था, जिसे तृतीयक अस्पताल में रेफर किया गया था, लेकिन उसकी मौत हो गई। भारत भर में डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा की असंख्य घटनाएं लगभग हर दिन सामने आती हैं, जिनमें से कुछ में गंभीर चोटें भी आती हैं। यहां तक कि देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली जैसे संस्थान भी इससे अछूते नहीं हैं।

पश्चिम बंगाल में बात केवल राजनीतिक हिंसा एवं आक्रामकता की ही नहीं है बल्कि कुशासन एवं अराजकता की भी है। इसका एक उदाहरण चुनाव से पहले कोलकाता के एनआरएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 10 जून की रात को सामने आया था, वह भी एक काला अध्याय ही था। भारत में डॉक्टर को लगभग भगवान का दरजा मिला हुआ है। ऐसे में, आमतौर से उन पर हमला किसी ऐसे निरंकुशता और असंवेदनशीलता की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए, जो तंत्र से पोषित एवं संरक्षित होता है।

इस हत्याकांड ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल सरकार एवं पुलिस-प्रशासन को सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया है। खुद अदालत ने सवाल किया कि आखिर शुरुआत से ही हत्या के बजाय अस्वाभाविक मौत के नजरिये से जांच क्यों की गई? फिर 9 अगस्त को घटी इस घटना में उसने जिस आरोपी को हिरासत में लिया है, वह एक पुलिस का वॉलंटियर बताया जाता है और उसे इस अस्पताल में अक्सर मंडराते देखा जाता था। इतने संवेदनशील मामले में अतिरिक्त सक्रियता बरतकर कोलकाता पुलिस न सिर्फ पीड़ित परिवार के भरोसे का संरक्षण कर सकती थी, बल्कि डॉक्टरों को भी यह यकीन दिला सकती थी कि अपराधी चाहे कोई भी हो चंद घंटों के भीतर वे सलाखों के पीछे होंगे! मगर बंगाल पुलिस ने कहीं न कहीं कोताही बरती। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उसे यह अल्टीमेटम देना कि रविवार तक जांच पूरी हो, वरना मामला सीबीआई को सौंप देंगे, आखिर क्या ध्वनित करता है? दरअसल, यह सिर्फ एक राज्य की पुलिस की बात नहीं है।

दृष्टि कोण

सरहद के आरपार रिश्तों की संभावना बेशुमार

नीरज और नदीम की जोड़ी भारत-पाक खेल संबंधों में बेहतर कड़ी का काम कर सकती है। दुनिया के दोनों टॉप एथलीटों की माताओं ने तो पूरे विश्व को बता दिया है कि दोनों देशों के राजनीतिक संबंध जैसे भी रहे हों, सामाजिक संबंध अभी 1947 के विभाजन से पहले की तरह बरकरार हैं। पेरिस ओलंपिक में जब जैवलिन थ्रो में पाकिस्तान के अरशद नदीम ने स्वर्ण और भारत के नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीता तो दोनों देशों के लोग खुशी से झूम उठे। इस ऐतिहासिक जीत पर दोनों की मांओं ने जो कहा उसने न केवल भारत-पाक की जनता बल्कि दुनिया के लोगों का दिल जीत लिया। नीरज की मां सरोज ने कहा, नदीम जिसने स्वर्ण पदक जीता है, वह भी हमारा बच्चा है और नीरज ने रजत जीता, वह भी हमारा बच्चा है। दूसरी ओर नदीम की मां रजिया प्रवीन ने कहा, नीरज भी मेरे बेटे जैसा है। नीरज और नदीम दोनों दोस्त हैं और भाई हैं। जहां मैंने नदीम की जीत के लिए दुआ की, वहीं नीरज की जीत के लिए भी दुआ की थी। अल्लाह दोनों को कामयाबी बख्शे। दोनों एथलीट नीरज और नदीम खेल के मैदान में और खेल के मैदान के बाहर भी दोस्त हैं। खेल के मैदान में वे केवल प्रतिद्वंद्वी होते हैं।

दोनों एथलीट में सात बार एक-दूसरे का मुकाबला हुआ है। इन मुकाबलों में नदीम नीरज से छह बार पीछे रहा और एक बार पेरिस ओलंपिक में आगे रहा, जिसकी बदौलत अरशद नदीम स्वर्ण पदक पाने में कामयाब रहा। पेरिस ओलंपिक में नीरज और नदीम का इतना हेल्दी मुकाबला रहा कि नीरज के रजत जीतने पर भी पाकिस्तान में खुशियां मनाई गईं और नदीम के स्वर्ण पदक जीतने में भी भारत में खुशियां मनाई गईं। इन खुशियों को दोनों मांएं तस्दीक

करती हैं। नीरज का यह भी कहना है कि पहले की प्रतियोगिताओं में नदीम ने मेरे भाले का भी प्रयोग किया है। इससे दोनों की दोस्ती बयां होती है।

भारत-पाकिस्तान के खेल संबंधों में राजनीति का गहरा हस्तक्षेप है। जब भी दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ता है, खेल संबंध प्रभावित होते हैं। उदाहरण के तौर पर, 1999 के कारगिल युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध लंबे समय तक स्थगित रहे। इसी तरह, 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों में खटास आ गई जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर आईपीएल में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा। हालांकि, 2008 में आईपीएल के उद्घाटन सत्र में पाकिस्तान के क्रिकेट खिलाड़ियों ने भाग लिया था लेकिन इसके बाद से उन पर बैन है।

हाल के वर्षों में, दोनों देशों के बीच खेल संबंधों में और भी गिरावट आई है। क्रिकेट, जो कभी दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने का माध्यम माना जाता था, अब राजनीतिक निर्णयों और तनाव के कारण बाधित हो रहा है। आईपीएल में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों के न खेलने का मुद्दा अक्सर उठता रहता है।

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि खेल, विशेषकर क्रिकेट, दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण साधन हो सकता है। अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर द्विपक्षीय क्रिकेट टीम के मुकाबले हो रहे हैं। खेल में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान और मित्रता का भी संदेश होता है। अगर दोनों देश खेल संबंधों को मजबूत करते हैं, तो यह दोनों देशों के बीच विश्वास बहाल करने में मदद कर सकता है। राजनीति, सुरक्षा चिंताएं और ऐतिहासिक तनाव हमेशा से इन संबंधों पर भारी पड़े हैं। इसके बावजूद, खेलों ने हमेशा दोनों देशों के लोगों के बीच एकजुटता और साझा प्रेम का एक पुल बनाने का प्रयास किया है। यदि दोनों देश खेल को एक कूटनीतिक साधन के रूप में इस्तेमाल करें, तो शायद दोनों के बीच की दूरियां कुछ हद तक कम हो सकें। इन दूरियों को कम करने में नीरज और नदीम की दोस्ती की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

कुछ अलग

धर्म गुरु बनें पथ प्रदर्शक

पूरा विश्व, विशेषकर भारत देश और भारत देश में भी हिंदू समाज बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर बहुत चिंतित है। हृदय नहीं, आत्मा तक विचलित है। जिस प्रकार बांग्लादेश में हिंदू समुदाय को चुन-चुन कर मारा जा रहा है, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है, घर लूटे जा रहे हैं, केवल लूटे ही नहीं जा रहे अपितु लूटने वाले सिर पर लूट का सामान रखे हाथों में कीमती वस्तुएं उठाए ऐसे नाचते-गाते जा रहे हैं, जैसे उन्हें कोई बहुत बड़ी दौलत अनायास मिल गई। जैसे उन्होंने अपने किसी बड़े दुश्मन का नाश कर दिया। याद रखना होगा कि आग आग है। दूर कहीं आग लगी है, यह देखकर निश्चिंत नहीं हो सकते, क्योंकि कोई भी एक चिंगारी आपके घर तक पहुंचकर जला सकती है। अफगानिस्तान में जो कुछ हुआ, वह भारतीय समाज के लिए बहुत ही दुख और चिंता का विषय रहा। स्थिति यह हो गई कि हमें अपने गुरुद्वारा से श्री ग्रंथ साहिब को सुरक्षित उठाकर लाना पड़ा, जिसमें भारत सरकार का विशेष सहयोग और योगदान रहा। वहां का सिख-हिंदू समाज भी बेबस होकर वहां से आ गया। पाकिस्तान में शायद ही कोई ऐसा सप्ताह जाता होगा जिस दिन हमारी बेटियों पर कट्टरपंथी मुस्लिमों का हमला नहीं होता। बेचारा बेबस बाप चौक चौराहे में छाती पीटता हुआ पुकारता है, दुहाई देता है, उसकी दोनों बेटियों को कोई वापस ले आए, पर अरण्य रौदन की तरह उसकी चीखें कहीं हवा में गायब हो गईं। मंदिर तोड़े गए, गुरुद्वारे अपवित्र किए गए, पर हम भारतीय विवश थे, कुछ न कर पाए। आश्चर्य यह है कि एक सौ करोड़ से ज्यादा हमारा धार्मिक समाज अपने पूजा स्थानों में पाठ पूजा करके अपने परिवार के लिए सौगातें मांगकर सुरक्षा मांग कर मंदिरों, पूजा स्थानों से आ गया। दो आंसू उनके लिए नहीं बहाए जो विधर्मियों के कब्जे में सिसक रही हिंदू बेटियां थीं। अब तो अति हो गई। इंग्लैंड में, कनाडा में, आस्ट्रेलिया में, यहां तक कि अमरीका में भी हमारे श्रद्धा केंद्रों पर हमले होने लगे। हम खामोश रहे, जिसका परिणाम आज बांग्लादेश में देखने को मिल रहा है, पर आज भी हिंदुस्तान का हिंदू समाज जागा नहीं। बुद्धिजीवी मुसलमान भी खामोश हैं। मुस्लिम धर्म गुरुओं ने एक शब्द न तो कभी उनके लिए बोला जो सिर तन से जुदा की बात करते थे और न ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर कहर ढहाने वालों को समझाने के लिए। मुझे उनसे शिकायत करने का अधिकार भी क्या है? मानवीय अधिकार तो है, राष्ट्रीय अधिकार भी है, क्योंकि हम भारत के मूल धर्म के अनुयायी हैं। विश्व के कल्याण की बात करते हैं। आत्मवत सर्वभूतेषू की दुहाई देते हैं, पर दुनिया हमारे इन जयकारों को नहीं सुनती। सीधी सी बात है वीर भोग्या वसुंधरा। दुखद आश्चर्य यह है कि हमारे भारत में लाखों लाखों ऐसे मंदिर, पूजा स्थान, सभी धार्मिक संप्रदायों के श्रद्धा केंद्र हैं। मैं यहां मस्जिदों की बात नहीं कर रही, लेकिन वैष्णव, शाक्त, शैव, आर्य समाज, निरंकारी, नामधारी, जैन, बौद्ध आदि भक्तों के अनुयायियों के श्रद्धा केंद्र हैं। धन संपदा के अकूत भंडार भी वहां हैं। हम ईश्वर के उस रूप की पूजा करते हैं जो सशस्त्र हैं, राक्षसों का संहारक है। महिषासुर मर्दनी हमारा आदर्श है। हजारों हजारों राक्षसों का संहार करने वाले भगवान श्रीकृष्ण हमारे इष्ट हैं। 'निशिचर हीन करहूं मही, भुज उठाई प्रण कीन' की अटल अमिट घोषणा प्रतिदिन सुनने को मिलती है। हमारी प्रातः राम नाम के साथ प्रारंभ होती है और रात्रि विश्राम राम राम कहकर ही किया जाता है। प्रश्न यह है कि राम का नाम लेने वाले, कृष्ण जी की लीलाओं का गान करने वाले यह क्यों भूल गए कि बचपन में ही श्रीराम जी और श्रीकृष्ण जी ने कितने असुरों का संहार किया था।

देश दुनीया से

बांग्लादेश में लोकतंत्र ढहने की मूल वजहें

> 'हम व्यवसाय के पक्ष में हैं, हम अमेरिका को आगे ले जाने के स्वप्न के पक्षधर हैं, हम नवोन्मेष के समर्थक हैं, हम तकनीकी प्रगति के हक में हैं। हमारा विश्वास अपने देश के रीढ़ रूपी लोकतंत्र में है। हमारा मानना है कि मजबूत, विश्वसनीय संस्थान एक विशेषता हैं न कि बुराई -उद्योग कोई भी हो- उनके बिना ढह जाएगा।' यह उन दो मूलभूत सिद्धांतों -लोकतंत्र एवं संस्थान- को प्रतिपादित करते हैं, जिसकी नींव पर देश उन्नति करते हुए विकसित राष्ट्र बनता है। ये वो सिद्धांत हैं, जिन्हें साहसी स्त्री-पुरुषों ने लागू किया था, जो अधिनायकवादी, फसादी, फासीवादी और हिंसात्मक ताकतों से लड़े और उन्हें हराया।

वीसीज़ फॉर कमला के नाम तले एक समूह ने बयान जारी कर कहा है 'इस महत्वपूर्ण बेला में हम सब एकजुट होकर कमला हैरिस का समर्थन करते हैं।' यह गुट तकनीक उद्योग की प्रतिष्ठित कुछ कंपनियों के महत्वपूर्ण अगुआओं का है, जिसमें लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन, एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव वॉज़निएक और सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक विनोद खोसला शामिल हैं। इस समूह ने 700 टेक लीडर्स के हस्ताक्षर युक्त अपने वक्तव्य में कहा, 'हम व्यवसाय के पक्ष में हैं, हम अमेरिका को आगे ले जाने के स्वप्न के पक्षधर हैं, हम नवोन्मेष के समर्थक हैं, हम तकनीकी प्रगति के हक में हैं। हमारा विश्वास अपने देश के रीढ़ रूपी लोकतंत्र में है। हमारा मानना है कि मजबूत, विश्वसनीय संस्थान एक विशेषता हैं न कि बुराई -उद्योग कोई भी हो- उनके बिना ढह जाएगा।' यह उन दो मूलभूत सिद्धांतों -लोकतंत्र एवं संस्थान- को प्रतिपादित करते हैं, जिसकी नींव पर देश उन्नति करते हुए विकसित राष्ट्र बनता है। ये वो सिद्धांत हैं, जिन्हें साहसी स्त्री-पुरुषों ने लागू किया था, जो अधिनायकवादी, फसादी, फासीवादी और हिंसात्मक ताकतों से लड़े और उन्हें हराया। लड़ाई अभी भी जारी है और तानाशाही एवं फसादी ताकतें लोकतंत्र एवं कानून के राज को लीलने को तत्पर हैं। संस्थान, जो कि संविधान और संसद में निहित आदेश-पत्र से वजूद में आए, यूरोप और उत्तर अमेरिका में उनमें अधिकांश अपने कर्तव्यों को अंजाम देने को डटकर खड़े हैं, हालांकि मजबूत जिद्दी ताकतें इनके विरोध में हैं।'

'द मैग्ना कार्टा लिब्रटेटम' (स्वतंत्रता का महान राजपत्र) में सार्वभौम अर्थात शासक को कानून के शासन के तहत बताया गया है और इसमें आजाद इंसान को मिली स्वतंत्रताओं का जिक्र है। यह एंग्लो-अमेरिकन न्याय-प्रणाली में नागरिक अधिकारों को आधार मुहैया करवाता है। आगे चलकर, राजा के 'दिव्य अधिकारों' को धीरे-धीरे छीन लिया गया, जिससे लोकतंत्र की स्थापना हुई। यह समाज का रूपांतरण था, जहां से कानून का राज और आम नागरिक का सशक्तीकरण स्थापित हुआ। इससे महान लोकतंत्र बनाने की राह प्रशस्त हुई। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर के शब्दों में 'एक देश केवल इसलिए समृद्ध नहीं होता कि उसके पास अकूत प्राकृतिक स्रोत हैं, यदि ऐसा होता तो आपका देश (रूस) विश्व का सबसे अमीर मुल्क कब का बन चुका होता। यह उद्यमिता है जिससे धन पैदा होता है... मैं जिस पूंजीवाद की समर्थक हूं, उसका अर्थ सबके लिए मनमर्जी की खुली छूट नहीं है बल्कि वह है जिसमें कोई ताकतवर अपनी हैसियत का फायदा ईमानदारी, भद्रता और सामूहिक कल्याण की एवज में न उठाने पाए। पूंजीवाद तभी काम करेगा जब कानून का राज मजबूत एवं न्यायप्रिय हो, जिसके प्रति सरकार सहित हर कोई उत्तरदायी हो।'

इसकी आगे व्याख्या करें तो, देखा गया कि अधिकांश विकसित देश समय के साथ अपने संस्थानों को मजबूत बनाते चले गए, जिसके वास्ते उनके संविधान और संसद में प्रावधान निहित हैं और फिर यही संस्थान दो विश्व युद्धों की विपरीत परिस्थितियां बनने पर जरा नहीं डिगे बल्कि और सुदृढ़ एवं विजयी बने। वहीं दूसरी तरफ, कम विकसित और हाल ही में आजाद हुए मुल्कों ने शुरुआत चाहे सही इरादों से की हो, लेकिन जल्द ही कट्टरता के अतिरिक्त, ताकत और पैसे की लालसा के सामने डिगते चले गए और इसकी एवज में धीरे-धीरे अपने संस्थानों को तबाह करते गए। लोकतंत्र की जगह किसी एक नेता या पार्टी या मंडली के अधिनायकवाद अथवा तानाशाही ने ले ली, वह भी इस स्तर तक कि जनता उम्मीद और न्याय के लिए फौज को बतौर प्रकाशपुंज देखने लगे। न्यायपालिका, निर्वाचित प्रतिनिधि संस्थाएं, राजनीतिक दल-यह सब लोकतंत्र को ध्वस्त करने वालों के हमले के सामने ताश के महल की तरह ढहते चले गए, जो न तो कानून का शासन चाहते हैं न ही इन्हें गरीब और समाज के सबसे निचले तबके के उत्थान से सरोकार है, ये वह ताकतें हैं जो सत्ताधारी दल, नेता अथवा मंडली का साथ देती हैं।

अब आते हैं उस देश की तरफ, जिसके संदर्भ में मैंने ऊपर का सब लिखा है यानी बांग्लादेश (पहले पूर्वी पाकिस्तान)– अपनी स्थापना से ही इसके पास वे तमाम अवयव थे जो एक अलग देश होने के लिए जरूरी होते हैं। पाकिस्तान के साथ इसकी राजनीतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सांझ जरा नहीं थी, ले-देकर एक धर्म की समानता थी, वह भी पूरी तरह नहीं। पाकिस्तानी हुक्मरानों ने अपना निज़ाम बनाए रखने को इसे अपनी फौज के जूतों तले रौंदवाया, आतंक का कहर मचाया और नरसंहार किया। न्याय पाने को सेना ही पहला और अंतिम चारा थी, तमाम अन्य संस्थानों का बधिया कर डाला। लोग उठे और मुक्ति बाहिनी बनाई और शेख मुजीब-उर-रहमान के रूप में भरोसेयोग्य नेता उभरा। उनका साथ विचारशील एवं साहसी इंदिरा गांधी के नेतृत्व ने दिया, बांग्लादेश का जन्म हुआ। आरंभिक वर्षों में ही त्रासदी घटी जब शेख मुजीब और लगभग पूरे परिवार को 1975 में मार डाला गया। सेना और अधिनायकवादी ताकतों का शासन फिर से काबिज हो गया। बांग्ला देश घूमकर वहीं आ गया जहां से शुरू किया था।

आप का नजरीया

हिंडनबर्ग के नए आरोप

'हिंडनबर्ग रिसर्च' कोई प्रामाणिक, वेद-पुराण सरीखी कंपनी नहीं है कि जिस पर भारत आंख मूंद कर विश्वास कर सके। उसके अपने हित और मुनाफे हैं, जिनके लिए वह किसी भी औद्योगिक समूह अथवा संवैधानिक हस्ती को निशाना बनाती रही है। हिंडनबर्ग की अपनी विश्वसनीयता अमरीका में ही सवालिया है, उसके खिलाफ जांच जारी है, लेकिन हमारी सियासत ऐसी है मानो हिंडनबर्ग की रपट के जरिए कोई 'रहस्य' खुल गया हो! हिंडनबर्ग की भारत में पहली रपट करीब 18 माह पूर्व सार्वजनिक हुई थी। उसमें अडानी समूह निशाने पर था। उसकी कंपनियों में शेयरों की हेराफेरी और धनशोधन सरीखे सवालों के जरिए आरोप लगाए गए थे। रपट का असर ऐसा हुआ कि अडानी की संपत्ति 120 अरब डॉलर से घटकर 39.9 अरब डॉलर तक लुढ़क आई थी। समूह के शेयर औंधे मुंह गिरे थे। तब समूह के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर उद्योगपति थे और एशिया में वह नंबर वन पर थे। बहुत नुकसान हुआ था, लेकिन समूह को कलंकित नहीं किया जा सका। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा और सेबी की जांच को 'उचित' माना गया। अदालत ने कहा कि सीबीआई या एसआईटी जांच की जरूरत नहीं है, प्रतिभूति और बाजार की नियामक सेबी ही सक्षम एजेंसी है। बहरहाल हिंडनबर्ग ने एक बार फिर अपनी रपट जारी की है। उसमें अडानी समूह के साथ-साथ सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच को भी निशाने पर लिया है। आरोप सही हैं या पूर्वाग्रही हैं, सेबी प्रमुख और उनके पति का स्पष्टीकरण कितना प्रामाणिक है, हम उन पर टिप्पणी नहीं कर सकते, क्योंकि यथार्थ हमारे सामने नहीं है। हम उनके निवेश को भी नहीं जानते, लेकिन कुछ भी जाने बिना ही कांग्रेस ने इसे 'महाघोटाला' करार दे दिया है और संयुक्त संसदीय कमेटी (जेपीसी) की जांच की मांग की है। विपक्ष के नेता चिल्लाने लगे हैं कि सेबी की भी जांच की जाए। उसकी कार्यप्रणाली संदिग्ध है। यही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो सवाल किया है कि सेबी प्रमुख का इस्तीफा अभी तक क्यों नहीं लिया गया? यदि बाजार में छोटे निवेशकों का नुकसान होगा, तो कौन जिम्मेदार होगा? इन सवालों से बेपरवाह देश की शेयर मार्केट ने इस बार हिंडनबर्ग की रपट को सिरे से खारिज कर दिया है। सेंसेक्स सिर्फ 56.99 अंक और निफ्टी 20.50 अंक ही लुढ़के, अलबत्ता निवेशकों का बाजार यथावत रहा। सवाल हिंडनबर्ग की रपट पर हैं कि बाजार तो शांत और स्थिर है, लेकिन देश की सियासत क्यों उबल रही है? हिंडनबर्ग आने वाले समय में भारत के प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश सरीखे संवैधानिक चेहरों पर भी कालिख पोत सकती है। किस-किस के इस्तीफों और जेपीसी की मांग करते रहेंगे? क्या हिंडनबर्ग ही भारत की आर्थिक गतिविधियों और नियामक संस्थाओं की कसौटी है, जिस पर सभी की ईमानदारी को आंका जा रहा है? अडानी समूह के साथ कांग्रेस की राज्य सरकारें तो हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं पर समझौते करती रही हैं, लेकिन हिंडनबर्ग की रपट आते ही पार्टी के नेता अडानी को 'अर्थव्यवस्था का खलनायक' मानने लगते हैं।

लोकसभा चुनाव में विपक्ष के भ्रामक प्रचार का जवाब उपचुनाव में जनता देगी : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। फूलपुर विधानसभा की उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठनात्मक बैठक फूलपुर इफ्को सभागार में की गई। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में कुछ प्रलोभन के कारण मतदाता प्रभावित हुआ। विपक्ष द्वारा किए गए भ्रामक प्रचार का जवाब अब जनता उपचुनाव में देगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता की बदौलत 2014 से 2022-24 का चुनाव प्रचंड बहुमत से केंद्र व प्रदेश में सरकार बनीं। कार्यकर्ता अपने मनोयोग से सभी चुनावों में अपने बूथ पर भाजपा के पक्ष में मतदान कराकर बूथ जीता कर सांसद, विधायक, पार्षद, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष व सदस्य बनाकर प्रयागराज की राजनीति में नया कीर्तिमान बनाया। कार्यकर्ताओं की पीड़ा सभी जन प्रतिनिधियों की पीड़ा होनी चाहिए। इससे कार्यकर्ता के मन में उत्साह और इच्छा शक्ति के साथ अपने गांव-समाज में उनका मान-सम्मान बढ़ता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष के लोगों द्वारा भ्रामक प्रचार किया कि सविंधान खतरे में है, प्रत्येक महिलाओं को प्रतिमाह साढ़े आठ हजार रुपए

देने का प्रलोभन दिया गया। कहा कि भाजपा की सरकार 2014 में केंद्र, 2017 में उत्तर प्रदेश की सरकार बनी। भाजपा की सरकार ने विकास इतना किया कि जो पूर्व की सरकारों ने 70 साल में नहीं किया। 2014 के पूर्व लोकसभा फूलपुर की स्थिति, 2017 के पूर्व फूलपुर विधानसभा की स्थिति पहले से कहीं ज्यादा बेहतर हुई है। योगीजी के नेतृत्व में 2017 से गुंडा, अपराधी, माफिया, दंगाई प्रदेश से पलायन कर गए या उनकी जगह उनको मिल गई। जो अपराधी, माफिया-गुंडा बिल के अंदर छिपे थे वो सभी लोकसभा चुनाव में सपा को थोड़ी बढ़त क्या मिला सब बाहर आ गए। जगह जगह अपने आचरण का परिचय देना आरंभ कर दिया। लेकिन उन्हें यह पता नहीं कि उत्तर प्रदेश में अभी भी भाजपा की योगी सरकार है, उन्हें जहन्नुम में पहुंचाने के लिए। इस अवसर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि मण्डल की बैठक में शक्ति केंद्र की बैठक तय कर संयोजक व प्रभारी तथा प्रवासी सभी बूथ की ग्यारह की समिति व पन्ना प्रमुखों का मतदाता सूची से मिलान कर सत्यापन कर लें। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल ने कहा कि मतदाता सूची में नये मतदाता का नाम जोड़ा जा रहा है सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाता सूची में छूटे मतदाता का नाम जुड़वाने का काम करें। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हनुमान की तरह बहुत ही बलशाली है। परन्तु भाजपा कार्यकर्ता को अपने ताकत का अन्दाजा ही नहीं। जब उन्हें एहसास कराया जाता है तब उनके पराक्रम से प्रचंड बहुमत से सरकार बनी है। बैठक का संचालन फूलपुर नगर पंचायत अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष कविता पटेल ने बैठक का वृत्त बताया। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिला प्रभारी उत्तर मौर्य, सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष बीके सिंह, महापौर गणेश केसरवानी, पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, प्रभाशंकर पांडेय, अमरनाथ तिवारी, कन्हैया लाल पांडेय, निर्मला पासवान, मीडिया प्रभारी बृजेश त्रिपाठी, राजेश केसरवानी, रमेश कुमार द्विवेदी विधानसभा प्रभारी फूलपुर, मनोज कुमार निषाद, जीतलाल त्रिपाठी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आक्रोशित जनता ने किया हाईवे जाम, समझाइश के बाद माने

बीकानेर (हिंस)। भारी बरसात के बाद नालों में उफान के कारण शहर की एक कॉलोनी में पाल टूट गई। पूरी कॉलोनी में भरे पानी के बाद आक्रोशित कॉलोनीवासियों ने केमल फार्म के आगे बायपास हाईवे जाम कर दिया। स्थाई समाधान की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे बजरंग विहार वासी आखिरकार भाजपा नेता गुमान सिंह राजपुरोहित की समझाइश के बाद मान गए और हाईवे खोलकर आवागमन दुरुस्त किया। दरअसल पिछले कुछ दिन पहले ही पाल टूट जाने के कारण नगर निगम ने पाल बनाई थी। दो दिन हुई बरसात के बाद जलस्तर बढ़ने के कारण यह पाल फिर से टूट गई जिसके बाद बजरंग विहार वासियों ने हाईवे जाम कर प्रदर्शन किया। प्रशासन की ओर से कोई अधिकारी नहीं आने के कारण जनता में भरी विरोध उत्पन्न हो गया। जिसको देखते हुए भाजपा नेता गुमान सिंह राजपुरोहित मौके पर पहुंचे और आमजन की बात सुनते हुए उन्हें समझाइश कर हाईवे खुलवाया। जिसके बाद गुमान सिंह ने निगम अधिकारियों को मौके पर बुलाकर संसाधनों की व्यवस्था कर पाल का काम शुरू करवाया।

बंगाल की घटना पर मायावती बोलीं धार्मिक और राजनैतिक रंग देने में लगी है तृणमूल सरकार

लखनऊ (हिंस)। कोलकता में जुनियर रेजिडेंट डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि तृणमूल सरकार अपने बचाव में इसे धार्मिक व राजनैतिक रंग देने में लगी है। बसपा प्रमुख मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में लेडी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर जघन्यता पर पूरा देश चिन्तित व आक्रोशित है, फिर भी टीएमसी सरकार अपने बचाव में इसे धार्मिक व राजनैतिक रंग देने में लगी है। वहीं, विपक्ष भी इस मामले में कम नहीं। ऐसे में दोषियों को सख्त सजा व पीड़ित परिवार को न्याय कैसे मिले इसकी चिन्ता जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोप-प्रत्यारोप को त्याग कर असली दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आगे आना होगा। पीड़ित परिवार ने मुआवजा नहीं लेने व न्याय की बात कही है, उनकी पीड़ा व घटना को लेकर इंसाफ के तकाजे पर सभी को गंभीर होने की जरूरत है। मायावती ने कहा कि इस घटना को लेकर डॉक्टरों व मेडिकल छात्रों का आंदोलन भी अपनी जगह सही है, जिसका समर्थन भी है। लेकिन इस दौरान गरीब मरीजों के इलाज की तरफ भी जरूर ध्यान दिया जाए तो यह उचित होगा। साथ ही, सरकार अस्पतालों व डॉक्टरों की भी सुरक्षा व सम्मान का विशेष ध्यान रखे।

राजस्थान की स्कूलों में लगा कैंची-चाकू लेकर जाने पर बैन : शिक्षा विभाग ने जारी की गाइडलाइन

जयपुर/बीकानेर (हिंस)। उदयपुर के स्कूल में हुए हिंसक घटनाक्रम के बाद अब शिक्षा विभाग एक्टिव मोड में आ गया है। शनिवार को शिक्षा विभाग ने स्कूलों में स्टूडेंट्स को लेकर गाइडलाइन जारी की है। इसके बाद अब स्टूडेंट्स स्कूल में धारदार हथियार, चाकू, कैंची, छुरी के साथ ही किसी तरह की नुकीली वस्तु लेकर नहीं जा सकेंगे। इसको लेकर टीचर्स द्वारा भी लगातार स्टूडेंट्स को गाइड करने के साथ स्कूल बैग की चेकिंग भी की जाएगी। अगर इसके बावजूद किसी स्टूडेंट द्वारा लापरवाही की जाती है, स्कूल उसके खिलाफ कार्रवाई करेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि परिवार अपने बच्चों को स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स के लिए स्कूल सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए। किसी तरह की हिंसा नहीं होनी चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग ने यह गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत स्कूल में किसी तरह के नुकीले या धारदार उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। नई गाइडलाइन को लेकर न सिर्फ स्कूल के नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक सूचना लगाई जाएगी। बल्कि, प्रार्थना सभा में भी टीचर्स स्टूडेंट को लगातार यह गाइडलाइन बताएंगे। ताकि प्रदेशभर के स्कूलों में किसी तरह के हिंसक घटनाक्रम को रोक जा सके। मोदी ने कहा कि टीचर्स द्वारा रैंडमली स्टूडेंट्स की चेकिंग की जाएगी। उनके स्कूल बैग भी चेक किए जाएंगे। ऐसे में अगर उनके पास से किसी भी तरह का नुकीला या फिर नुकसान करने वाला सामान मिलता है, उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही अगर स्कूल टीचर को बच्चों के व्यवहार में अचानक परिवर्तन लगता है, उनकी निगरानी और काउंसलिंग करेंगे। उनके पेरेंट्स को भी इसकी जानकारी देंगे। मोदी ने कहा कि न सिर्फ टीचर्स बल्कि पेरेंट्स भी अपने बच्चों के स्कूल बैग की रैंडम चेकिंग करें। उनसे बातचीत कर उनके व्यवहार को समझे। क्योंकि यह बच्चों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उधर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि गाइडलाइन को लागू करना सभी टीचर्स की जिम्मेदारी होगा। ऐसे में अगर कोई स्टूडेंट लापरवाही बरतता है। तो पहले टीचर्स उसके पेरेंट्स को इसकी जानकारी देंगे। अगर इसके बाद भी सुधार नहीं होता है, तो स्टूडेंट के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

भाजपा का संगठन मजबूत, तीसरी बार भी बनाएंगे सरकार : डॉ. सतीश पूनिया

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद प्रवास पर पहुंचे भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा का संगठन मजबूत है, कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर भाजपा हरियाणा में तीसरी बार भी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए भाजपा तैयार, हर बूथ पर हमारी मजबूत टीम खड़ी है। चुनाव भाजपा के लिए उत्सव की तरह है। चुनावी उत्सव मनाने के लिए भाजपा के कार्यकर्ता भी उत्साहित हैं। शनिवार को सेक्टर-15 स्थित भाजपा कार्यालय अटल कमल पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि हरेक बूथ पर मजबूती के साथ काम करते हुए अधिक से अधिक लोगों का भाजपा के पक्ष में मतदान कराएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कुछ ही दिनों में इतने बड़े-बड़े काम करके दिखाए हैं जिनको देखकर विपक्ष भी हैरान और परेशान है। विपक्ष के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं है जो वह चुनाव में जनता के सामने रख सके। डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि बीते 10 वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने गरीब कल्याण की योजनाएं तेजी से जमीन पर उतार कर गरीबों का कल्याण किया है। प्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र की जनता का विश्वास मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ है। कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए श्री पूनिया ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा, योजनाओं और डबल इंजन सरकार के ऐतिहासिक कार्यों को लेकर घर-घर जाएं। भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि भाजपा सरकार देश और प्रदेश के विकास के लिए संकल्पित होकर काम करने वाली पार्टी है। भाजपा का सुशासन और पारदर्शी से तरीके से किए कार्यों से हरियाणा के लोग खुश हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी की

कार्यशैली को प्रत्येक हरियाणावासी पसंद करता है। लोकसभा चुनाव के बाद आचार संहिता हटते ही नायब सैनी ने जो घोषणाएं की हैं, उनसे हर वर्ग को लाभ मिला है। कार्यकर्ताओं से अपील करते उन्होंने कहा कि चुनाव की तिथि घोषित हो चुकी है, इसलिए बिना थके, बिना रूके चुनाव को जीतने के काम में जुट जाना है। फरीदाबाद पहुंचने पर जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। विश्वास दिलाया कि हमारे कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जमीनी स्तर पर पार्टी को जिताने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की पांचों विधानसभाओं में कमल खिलेगा और मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। इस मौके पर विधायक राजेश नागर, विधायक दीपक मंगला, हरियाणा सरकार में चेयरमैन वेदफूला, नगर निगम के पूर्व वरिष्ट उप महापौर देवेंद्र चौधरी, जिला महामंत्री मनोज वशिष्ट, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लापरवाही व अनियमितता में खनिज विभाग के तीन कर्मचारी निलंबित

जयपुर (हिंस)। सरकार ने तीन अलग-अलग आदेश जारी कर कार्य में लापरवाही व अनियमितता बरतने पर खान एवं भूविज्ञान विभाग के दो अधिकारियों और वरिष्ट सहायक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सरकार के आदेश पर जैसलमेर के खनिज अभियंता सतर्कता प्रकाश माली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। माली को निलंबन काल के दौरान मुख्यालय उदयपुर से संबद्ध किया गया है। एक अन्य आदेश में जालौर सहायक खनिज अभियंता राजेन्द्र चौधरी को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। चौधरी को निलंबनकाल में मुख्यालय उदयपुर से संबद्ध किया गया है। इसी तरह कार्य में लापरवाही बरतने पर उदयपुर मुख्यालय के वरिष्ट सहायक मुकेश कुमार को भी निलंबित कर दिया गया है। मुकेश कुमार को निलंबन काल के दौरान अतिरिक्त निदेशक कोटा कार्यालय से संबद्ध किया गया है। राज्य सरकार ने इन तीनों को निलंबित कर स्पष्ट संदेश दिया है कि क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों पर कार्रवाई में शिथिलता, राजकीय कार्य में लापरवाही और अनियमितता किसी भी हालात में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

झालावाड़ मेडिकल स्टूडेंट्स ने निकाली रैली, 400 स्टूडेंट्स हुए शामिल

झालावाड़ (हिंस)। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या का विरोध अब रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मेडिकल स्टूडेंट्स द्वारा लगातार कैंडल मार्च, रैली सहित विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। झालावाड़ मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स भी इसका लगातार विरोध कर रहे है। शुक्रवार रात भी सभी पीजी और यूजी स्टूडेंट्स, मेडिकल फैकल्टी एंड कंसल्टेंट्स, आईएमए एपी, एसआर, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन और झालावाड़ के प्राइवेट प्रैक्टिशनर सहित सभी मेडिकोज ने एकजुट होकर रैली निकाली। सभी मेडिकल क्षेत्र के स्टूडेंट्स मेडिकल कॉलेज के मेन गेट पर एकत्रित हुए, जहां से निर्भय सिंह

सर्किल, मूर्ति चौराहा, मामा भांजा सर्किल से होते हुए मेडिकल कॉलेज पहुंचकर रैली का समापन किया गया। रैली में स्टूडेंट्स ने हाथों में जस्टिस के बैनर लेकर और नारेबाजी करते हुए विरोध जाहिर किया। मेडिकल कॉलेज झालावाड़ के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र मीणा ने बताया कि स्टूडेंट्स लगातार कोलकाता की घटना का विरोध कर रहे है। वहीं सरकार से उचित कार्रवाई की मांग कर रहे है। सभी मेडिकल स्टूडेंट्स पूरी तरह हड़ताल पर है, केवल इमरजेंसी सेवाएं जारी है। बीती रात भी झालावाड़ के सभी स्टूडेंट्स ने रैली निकाली जिसमें करीब 400 स्टूडेंट्स शामिल रहे। मीणा ने बताया कि मांगे पूरी होने तक लगातार विरोध जारी रहेगा।

जैसलमेर के डॉक्टरों ने किया कार्य बहिष्कार, बीएसएफ के चिकित्सकों ने संभाला मोर्चा

जैसलमेर (हिंस)। पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या का देश भर में डॉक्टर्स विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जैसलमेर के डॉक्टर भी इस घटना का विरोध जता रहे हैं। शुक्रवार को जवाहिर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने एक घंटे का कार्य बहिष्कार किया था। वहीं शनिवार सभी डॉक्टर सामूहिक अवकाश पर चले गए। हालांकि आपातकालीन स्थिति में डॉक्टरों ने कार्य पर आने की बात कही। ऐसे में सीमा सुरक्षा बल के डॉक्टर ने

जवाहिर हॉस्पिटल की ओपीडी को देखा। वहीं डॉक्टरों के कार्य बहिष्कार को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया ताकि डॉक्टरों के साथ मरीजों या परिजनों द्वारा कोई बहस ना हो जाए। ऐसे में कुछ जूनियर डॉक्टरों और बीएसएफ के डॉक्टरों ने मरीजों का मेडिकल चैकअप किया। डॉक्टरों के सामूहिक अवकाश पर चले जाने की खबर मिलने के बाद जिला प्रशासन भी चिकित्सा व्यवस्था को लेकर चौकस नजर आया। जिला कलेक्टर प्रतापसिंह नाथावत के साथ ही एडीएम मुन्नीराम बागड़िया ने भी जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीएमएचओ को दिशा निर्देश भी दिए। इस मौके पर डॉ. चंदन सिंह तंवर ने बताया कि पश्चिम बंगाल की घटना से आहत होकर हमने शुक्रवार को एक घंटे का कार्य बहिष्कार किया था। शनिवार को सभी डॉक्टर सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं। हालांकि सभी ने आपातकालीन स्थिति में अपनी सेवाएं दें की बात कही है। शुक्रवार को सभी ने पश्चिम बंगाल की घटना का विरोध करते हुए काली पट्टी बांधकर अपना विरोध जताया था।

वीर दुर्गादास राठौड़ का 386वां जयंती समारोह रविवार को

जोधपुर (हिंस)। वीर दु

अगस्त को सुबह पौने नौ बजे डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। जयंती मनाने के साथ ही मसूरिया पहाड़ी स्थित वीर दुर्गादास राठौड़ स्मृति समिति की ओर से सुबह आठ बजे पूजा-अर्चना की जाएगी। वीर दुर्गादास स्मृति समिति के अध्यक्ष जगतसिंह राठौड़ ने बताया कि समारोह उद्योग, वाणिज्य, युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धनसिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य, विधि परामर्शी एवं न्याय विभाग मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व नरेश गजसिंह की अध्यक्षता में होगा। विशिष्ट अतिथि सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी होंगे। उन्होंने बताया कि वीर दुर्गादास राठौड़ समिति जोधपुर की ओर से इस वर्ष 20 प्रतिभाओं को वीर दुर्गादास राठौड़ सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। समिति द्वारा इस वर्ष शिक्षा, पर्यावरण, ग्रामीण संस्कृति के संरक्षण एवं उत्थान तथा भारतीय इतिहास लेखन के लिए नन्दलाल सिंह जोधा को, मारवाड़ की पुरातन एवं पारम्परिक कुचामणी ख्याल कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हिदायत खान को, राष्ट्र सीमाओं पर कठिन परिस्थितियों में मादक पदार्थों एवं अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए रवि कुमार गोदारा को, जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मैराथन एंड्यूरेंस इवेंट आयरमैन यूरोपियन वर्ल्ड चैंपियनशिप में विजेता बनने के लिए अंकुर जैन, मारवाड़ के इतिहास पर शोध, लेखन एवं संवर्धन के क्षेत्र में डॉ. अनिल पुरोहित सहित आदि का सम्मान किया जाएगा।

ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया

समस्तीपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्तीपुर नगर इकाई द्वारा बंगाल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म एवं जघन्य हत्या के विरोध में बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर मंत्री शुभम कुमार एवं कॉलेज अध्यक्ष प्रणव कुमार ने किया। इससे पूर्व कार्यकर्ताओं का जत्था बलिराम भगत महाविद्यालय परिसर से चलकर मुख्य द्वार पर पहुंचकर ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ता ममता बनर्जी मुर्दाबाद ममता बनर्जी इस्तीफा दो जैसे गगनभेदी नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर विभाग संयोजक अनुपम कुमार झा ने कहा कि जिस प्रकार से बंगाल की धरती पर प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म कर उसकी जघन्य हत्या कर दी गई है। जिससे पूरे देश में आक्रोश का माहौल है ममता बनर्जी की सरकार में बंगाल महिला हिंसा एवं और असुरक्षा की दिशा में अनवरत आगे बढ़ रहा है। जो अत्यंत चिंता का विषय है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद माननीय राष्ट्रपति महोदय एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से यह मांग करती है कि दोषियों को चिन्हित कर अभिलंब कार्रवाई की जाए साथ ही बंगाल में निरंकुश एवं अराजक सरकार तथा टीएमसी के गुंडो पर अंकुश लगाने हेतु संवैधानिक कार्रवाई की जाए। वहीं जिला संयोजक कुंदन यादव एवं सहसंयोजक केशव माधव ने कहा कि आज पूरे भारत में विद्यार्थी परिषद के द्वारा सभी जिला मुख्यालयों एवं सभी कैंपसों में विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है अगर पीड़िता को न्याय नहीं मिलता है तो विद्यार्थी परिषद पूरे भारत में चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

काले वस्त्रों में एकत्रित हुईं मातृ शक्तियों ने जताया विरोध

मीरजापुर (हिंस)। कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरतापूर्ण घटना से नाराज मीरजापुर के महिला संगठनों की पदाधिकारी व मातृशक्ति काले वस्त्र पहनकर एकत्रित हुईं। महिला चिकित्सक से बर्बरता पूर्ण घटना के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए मोमबत्ती जलाकर पीड़ित मृत महिला चिकित्सक की आत्मा की शांति के लिए मौन प्रार्थना किया। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। महिला चिकित्सक संग घटना के दोषियों को मृत्युदंड देने तथा देश में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए कठोर कानून लागू करने की मांग की। जीडी बिनानी पीजी कालेज प्राचार्य बीना सिंह, ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बीके बिंदु, पर्यावरणविद विभा वैद्य, डॉ. कृष्णा सिंह ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में विहिप ने किया प्रदर्शन

पूर्वी चंपारण (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं और मठ मंदिरो पर हो रहे हमले के विरोध में शनिवार को विहिप और बजरंग दल ने विशाल जूलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। जूलूस मोतिहारी शहर के ज्ञानबाबू चौक से शुरू हुआ जो मेन रोड होते हुए हॉस्पिटल चौक बलुआ चौक व राज बाजार होते जिला समाहरणालय पहुंचा, जहां जिलाधिकारी के समक्ष जमकर प्रदर्शन कर सभा भी किया गया। जूलूस का नेतृत्व विहिप के जिला मंत्री मुन्ना तिवारी जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह बजरंगदल के जिला संयोजक हेमन्त कुमार और जिला सह संयोजक उद्देश्य गुप्ता कर रहे थे। वंही सभा का संचालन मनोज कुमार सिंह अधिवक्ता ने किया। सभा को सम्बोधित करते हुए विहिप के बिहार झारखंड के विधि प्रकोष्ट प्रमुख अशोक श्रीवास्तव अधिवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले हो रहे है। घरों को जलाया जा रहा है। मठ मंदिरो को तोड़ा जा रहा है और शेख हसीना को भारत सुरक्षा दिया जा रहा है, जबकि शेख हसीना ट्वीट करके कहती है कि बंग्लादेश इस्लामिक देश है इसलिए हिनदुओ को रहना है तो इस्लाम धर्म स्वीकार करे या भारत चले आए। विहिप इस

ट्वीट का निन्दा करता है और शेख हसीना को भारत सरकार से भारत से निकालने की मांग करता है। मौके पर विहिप के जिला मंत्री मुन्ना तिवारी ने कहा कि विहिप व बजरंगदल कोलकता में महिला चिकित्सक के साथ हुए बलात्कार की स्पीडी ट्रायल चलाकर फांसी की सजा देने की मांग करता है। इसके साथ ही इनलोगो ने पूर्वी चंपारण जिले के ढाका के फुलवरिया में मंदिरो पर पत्थरबाजी की न्यायिक जांच की भी मांग की। सभा के उपरांत जिलाधिकारी के अनुपस्थित में कार्यपालक दंडाधिकारी को एक पांच सुत्री मांग पत्र सौपा गया।

आरबीआई ने पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म के लिए कड़े किए मानदंड, पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार की उम्मीद

मुंबई। रिजर्व बैंक ने पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी -पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म) के लिए मानदंड कड़े कर दिए।

आरबीआई द्वारा जारी संशोधित मास्टर निर्देश के अनुसार, पी2पी प्लेटफॉर्म को निवेश उत्पाद के रूप में पीयर-टू-पीयर लेंडिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए, जिसमें अवधि-लिंक्ड सुनिश्चित न्यूनतम रिटर्न, लिक्विडिटी विकल्प आदि जैसी विशेषताएं हों।

2017 जारी किए गए दिशा-निर्देश

उसने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म) को किसी भी बीमा उत्पाद को क्रॉस-सेल नहीं करना चाहिए, जो क्रेडिट वृद्धि या क्रेडिट गारंटी की प्रकृति का हो।

जब तक ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं का मिलान/मैपिंग बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार नहीं किया जाता है, तब तक कोई ऋण वितरित नहीं किया जाना चाहिए।

आरबीआई ने 2017 में पी2पी लेंडिंग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। ऐसा प्लेटफॉर्म एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है जो पीयर-टू-पीयर लेंडिंग में शामिल प्रतिभागियों को एक ऑनलाइन मार्केटप्लेस/प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

हालांकि, यह देखा गया है कि इनमें से कुछ प्लेटफॉर्म ने कुछ ऐसी प्रथाओं को अपनाया है, जो मास्टर डायरेक्शन 2017 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं।

तुरंत प्रभावी हुई नई गाइडलाइन

इसमें कहा गया है कि ऐसी प्रथाओं में, अन्य बातों के अलावा, निर्धारित फंड ट्रांसफर मैकेनिज्म का उल्लंघन, पीयर-टू-पीयर लेंडिंग को निवेश उत्पाद के रूप में बढ़ावा देना, जिसमें अवधि से जुड़े सुनिश्चित न्यूनतम रिटर्न जैसी विशेषताएं शामिल हैं।

इसमें लिक्विडिटी विकल्प प्रदान करना और कई बार प्लेटफॉर्म होने के बजाय जमाकर्ता और उधारदाता की तरह काम करना शामिल है। कुछ संस्थाओं द्वारा उल्लंघन के मद्देनजर, आरबीआई ने संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए। संशोधित दिशा-निर्देश तुरंत प्रभावी हो गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू सीमेंट आईपीओ से जुटाएगी 4000 करोड़

मुंबई। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ से जुड़े दस्तावेज सौंपे हैं। एक खबर के अनुसार बाजार नियामक को सौंपे दस्तावेज में कहा गया है कि कंपनी आईपीओ से करीब 4,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। सेबी को भेजे गए दस्तावेज में कहा गया है कि कंपनी ने ताजा निर्गम के जरिये 2,000 करोड़ रुपये और बिक्री पेशकश से अन्य 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना तैयार की है। जेएसडब्ल्यू समूह ने पहले कहा था कि वह वर्ष 2024 में अपनी सीमेंट इकाई को सूचीबद्ध कराएगी। समूह के ऊर्जा, बंदरगाह और इस्पात पहले से ही सूचीबद्ध व्यवसाय हैं। बंदरगाह वर्टिकल में जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को कुछ समय पहले ही सूचीबद्ध कराया गया था। पिछले साल अगस्त में जेएसडब्ल्यू समूह के उत्तराधिकारी एवं जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने 2024 के लिए सूचीबद्धता योजनाओं को साझा करते हुए कहा था कि आईपीओ से मिलने वाली पूंजी से समूह को अपने 6 करोड़ टन क्षमता के लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने अपने सीमेंट व्यवसाय की क्षमता चार साल में तीन गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी की क्षमता इस समय 2.06 करोड़ टन सालाना है जिसे बढ़ाकर वह 6 करोड़ टन करने का लक्ष्य है।

गूगल भारत सहित छह देशों में लाएगा 'एआई ओवरव्यू' फीचर

नई दिल्ली। टेक सेक्टर की प्रमुख कंपनी गूगल ने भारत सहित छह देशों में 'एआई ओवरव्यू' फीचर लाने की घोषणा कर दी है। भारत में कंपनी अंग्रेजी और हिंदी में 'एआई ओवरव्यू' शुरू कर रही है और साथ ही देश में पहली बार लोकप्रिय फीचर्स भी पेश कर रही है। कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा ?कि यह आपको लैंग्वेज टॉगल बटन के साथ अंग्रेजी और हिंदी रिज्ल्ट के बीच आसानी से स्विच करने में मदद करेगा, और सुनो बटन पर टैप करके टेक्स्ट-टू-स्पीच के साथ प्रतिक्रियाओं को सुनने में मदद करेगा। इसे भारत, यूनाइटेड किंगडम, जापान, इंडोनेशिया, मैक्सिको और ब्राजील में शुरू कि?या जा रहा है। सर्च के प्रोडक्ट मैनेजमेंट की एक वरिष्ठ निदेशक ने कहा कि टेस्टिंग के दौरान हमने देखा कि भारतीय यूजर्स अन्य देशों की तुलना में एआई ओवरव्यू के जवाबों को अधिक बार सुनते हैं। हम सर्च करते समय प्रासंगिक वेबसाइटों की जांच करने के लिए और अधिक तरीके पेश कर रहे हैं। डेस्कटॉप पर एआई ओवरव्यू के लिए दाहिने हाथ के लिंक डिस्प्ले के साथ ऊपरी दाईं ओर साइट आइकन पर टैप करके मोबाइल पर भी पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम एआई को विकसित करते हैं, हम विभिन्न स्रोतों से लोगों को जानकारी तक पहुंचने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कंपनी एआई ओवरव्यू के टेक्स्ट के भीतर सीधे प्रासंगिक वेब पेजों के लिंक जोड़ने का भी परीक्षण कर रही है। इससे लोगों के लिए क्लिक करना और उन साइटों पर जाना और भी आसान हो जाता है, जिनमें उनकी रुचि है।

क्रेडिट कार्ड बंद करने में देरी करने पर बैंक को देना होगा जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक अगर कोई ग्राहक क्रेडिट कार्ड को बंद कराने का आवेदन देता

है तो उस पर 7 दिन के अंदर प्रॉसेस शुरू करना जरूरी होता है। अगर कार्ड जारी करने वाली बैंक या संस्था ऐसा नहीं कर पाती है तो 7 दिन की अवधि के बाद उस पर 500 रुपये हर दिन के हिसाब से जुर्माना लगता है और यह राशि ग्राहक को देनी होती है। हालांकि एक बात का ध्यान देना जरूरी है कि आपके क्रेडिट कार्ड का कोई भी बकाया नहीं होना चाहिए। यह नियम आरबीआई ने साल 2022 में पेश किया था। किसी भी क्रेडिट कार्ड को बंद कराने से पहले आपको उसका बकाया चुकाना होता है। जब तक बकाया नहीं चुकाया जाता है तब तक क्रेडिट कार्ड बंद नहीं होगा। बहुत से लोग क्रेडिट कार्ड बंद करवाने से पहले रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम नहीं करते हैं। आपने खर्च करके ये प्वाइंट कमाया है। ऐसे में यह रिडीम करना आपका हक ह। कई बार लोग अपने क्रेडिट कार्ड पर कुछ रिकरिंग पेमेंट्स की स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन लगा देते हैं, जैसे इंश्योरेंस प्रीमियम, ओटीटी मंथली चार्ज या कुछ और. बंद कराने से पहले इसे पूरी तरह से क्लियर कर दें। अब आपको बैंक को फोन करके बताना होगा कि आप क्रेडिट कार्ड बंद करना चाहते हैं। इसके बाद वह डिटेल मांगेगा, जिसके बाद प्रॉसेस शुरू किया जाएगा।

अमेरिका के सिएटल में आयोजित इंडिया डे समारोह में बिल गेट्स बोले

भारत प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विश्व की मदद कर रहा

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और अरबपति कारोबारी बिल गेट्स अमेरिका के सिएटल क्षेत्र में भारत के स्वतंत्रता दिवस पर आयोजिक एक समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तक भारत की सरलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरे विश्व की मदद कर रही है।

गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स ने 78वें भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाई।

सिएटल वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गेट्स ने समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 2,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित किया। इस दौरान गेट्स ने भारत को 'प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सफल नवाचारों वाला वैश्विक नेता' बताया। गेट्स ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देश अपने डीपीआई सिस्टम बनाने के लिए भारत के अनुभव का लाभ उठा रहे हैं।

सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, गेट्स ने कहा कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और भारतीय प्रवासियों के साथ सिएटल वाणिज्य दूतावास में पहले भारत दिवस समारोह में भाग लेना सम्मानजनक था।

उन्होंने कहा, भारत प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सफल नवाचारों के साथ एक वैश्विक नेता है जो जीवन बचा रहा है और जीवनस्तर में सुधार कर रहा है गेट्स ने कहा कि भारत सरकार, परोपकारी लोगों, निजी क्षेत्र, गैर-लाभकारी संगठनों और भारतीय अमेरिकी समुदाय के साथ सहयोग करना हमारे लिए सम्मान की बात है। सभी भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ!

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को टैग करते इंस्टाग्राम पर समारोह की तस्वीरें भी पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में भारतीय तिरंगे के रंगों वाला स्कार्फ पहने हुए गेट्स के साथ सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता और अन्य अधिकारी दिखे। एक्स पर एक पोस्ट में वाणिज्य दूतावास ने ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाने के लिए गेट्स को धन्यवाद दिया।

बीते वित्त वर्ष खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एफडीआई घटकर 5,037 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 30 फीसदी कम होकर 5,037.06 करोड़ रुपये रह गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 2022-23 के दौरान 7,194.13 करोड़ रुपये का एफडीआई आया था। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने लोकसभा में पेश आंकड़ों में बताया कि इस क्षेत्र में एफडीआई 2021-22 में 5,290.27 करोड़ रुपये और 2020-21 में 2,934.12 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एफडीआई 2019-20 में 6,414.67 करोड़ रुपये, 2018-19 में 4,430.44 करोड़ रुपये, 2017-18 में 5,835.62 करोड़ रुपये, 2016-17 में 4,865.85 करोड़ रुपये और 2015-16 में 3,312 करोड़ रुपये था।

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटकर 2,100 रुपये प्रति टन, नई दरें लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में कटौती की है। सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया है। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले दर को शून्य पर बरकरार रखा है। नई दरें शनिवार से लागू हो गई है।

सरकार की ओर से जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर लगने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को शून्य पर यथावत रखा गया है। इससे पहले 1 अगस्त, 2024 को घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 7 हजार रुपये प्रति टन से घटाकर 4,600 रुपये प्रति टन किया गया था।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों को देखते हुए 15 दिनों पर घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स की समीक्षा की जाती है। भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव फिसल कर 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रु. प्रति लीटर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम दिन के कारोबार में ब्रेंड क्रूड 1.36 डॉलर यानी 1.68 फीसदी की गिरावट के साथ 89.68 डॉलर प्रति बैरल पर है।

भारत ने पोलैंड को अंजीर के रस की पहली खेप निर्यात की

एपीडा ने पोलैंड को अंजीर के जूस की पहली खेप भेजी

नई दिल्ली। भारत ने जीआई-टैग पुरंदर अंजीर से बने पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस पोलैंड को निर्यात किया है। यह कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से भेजा गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि भारत से कृषि उत्पादों के शिपमेंट को बढ़ाने की अपनी पहल के तहत पोलैंड को अंजीर के रस की पहली खेप निर्यात की गई है। एपीडा ने पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस के निर्यात की सुविधा प्रदान की है, जिसे जीआई-टैग वाले पुरंदर अंजीर से बनाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि ये शिपमेंट वैश्विक बाजारों में भारतीय कृषि उत्पादों की क्षमता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि जीआई (भौगोलिक संकेत) टैग उस वस्तु को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग को रोकता है, और उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करता है।

कारोबारी व्यापार शुरु करने शहबाज सरकार पर बना रहे दबाव, भारत नहीं दे रहा भाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को भारत भाव नहीं दे रहा है जिससे शहबाज सरकार बौखला गई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत के साथ कोई भी द्विपक्षीय बातचीत नहीं हो रही है। फिर चाहे यह पर्दे के पीछे से हो या आमने सामने से। भारत के साथ व्यापार को फिर से बहाल करने पर भी कोई बातचीत नहीं हो रही है। इससे पहले नवाज शरीफ से लेकर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ तक भारत से फिर से बातचीत शुरू करने के लिए कहा जा चुका है। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि भारत में मोदी के तीसरी बात पीएम बनने के बाद बातचीत शुरू होगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पाकिस्तान के कई कारोबारी कह चुके हैं कि भारत के साथ व्यापार को फिर से शुरू किया जाए। पाकिस्तान के

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने धारा 370 का मुद्दा उठाया और मांग की कि भारत इसे बहाल करे। उन्होंने कहा कि भारत के धारा 370 खत्म करने के बाद ही उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार को बंद किया है। उन्होंने कहा कि यह हालात अभी भी वैसे ही बने हुए हैं। बलोच ने कहा कि इस समय भारत के साथ व्यापार को फिर से बहाल करने को लेकर कोई बातचीत नहीं हो रही है। वहीं भारत ने कहा है कि जब तक कश्मीर में आतंकवादियों को पाकिस्तान भेजना बंद नहीं करता है, उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच फरवरी 2021 में सीजफायर समझौता हुआ था जो अभी तक है। पाकिस्तानी की ओर से भेज आतंकियों ने इन दिनों जम्मू और कश्मीर में काफी हमले किए हैं। इन हमलों में कई जवान शहीद हो गए हैं। बलोच ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और दुनियाभर के देशों से मांग की कि वे कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना समर्थन देना जारी रखेगा। इससे पहले नवाज शरीफ ने भी पीएम मोदी को बधाई देते हुए शांति की बात कही थी। वहीं आतंकियों के हमले के बीच भारत ने कड़ा जवाब देना जरुरी समझा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पिछले दिनों इशारों में भारत को धमकी दी थी।

पाकिस्तान में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

पाकिस्तान में महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए राहत भरी खबर है। दरअसल, पाक सरकार ने पेट्रोल और डीजल के नए भाव को लेकर वित्त मंत्रालय की ओर से आदेश जारी कर किया है। पेट्रोल 9 रुपए तक सस्ता हो गया है। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पेट्रोल की कीमतों में 8.47 रुपए प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में 6.70 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव के बाद अब हाई स्पीड डीजल की नई कीमत 272 रुपए 77 पैसे हो गई है।

निवेशक सावधान! 1 अक्टूबर से आ रहा नया नियम आपको कर सकता है प्रभावित

शेयर बॉयबैक पर नया टैक्स सिस्टम लागू होगा

नई दिल्ली। बजट 2024 के भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि शेयर बॉयबैक पर नया टैक्स सिस्टम लागू होने वाला है। नए नियम 1 अक्टूबर 2024 से लागू होंगे। नए नियम के तहत अगर कोई निवेशक को शेयर बॉयबैक से फायदा मिलता है तो उसे डिविडेंड माना जाएगा।

अब डिविडेंड के आधार पर टैक्स लगाया जाएगा। शेयर बायबैक में जितनी राशि शेयरधारक को मिलेगी उसी हिसाब से पूंजीगत लाभ या हानि की गणना की जाएगी।

बजट में हुए था नए नियमों का एलान

इस साल जुलाई में पेश हुए यूनियन बजट में वित्त मंत्री ने शेयरों की बॉयबैक से हुई इनकम पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव पेश किया था। इसके तहत शेयर की पुनर्खरीद से होने वाली आय को लाभांश के रूप में माना जाएगा। इस नए टैक्स सिस्टम के तहत शेयर बायबैक को कंपनी का अतिरिक्त आमदनी आ जाएगा और उस पर टैक्स लगाया जाएगा।

इन नए नियमों को लेकर विशेषज्ञों का

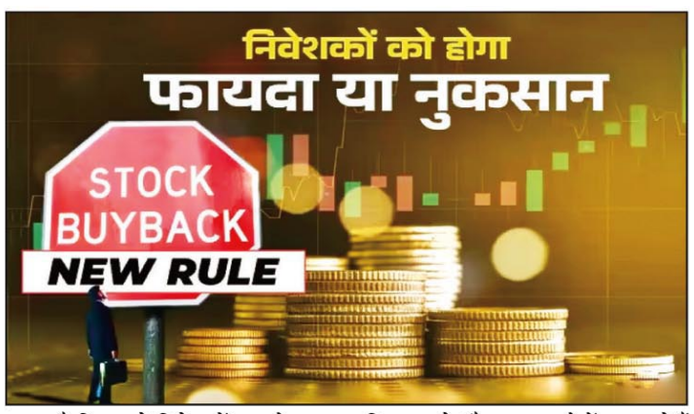

कहना है कि इससे निवेशकों का बोझ बढ़ सकता है और शेयर बायबैक में भी कमी आ सकती है।

निवेशकों को होगा फायदा या नुकसान

शेयर बायबैक के नए नियम निवेशकों के लिए फायदे और नुकसान दोनों ला सकते हैं। विभावंगल अनुकूलकारा प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर सिद्धार्थ मौर्य ने कहा कि नए नियमों के तहत कंपनियों को बायबैक की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और नियमों का पालन करना होगा। इससे निवेशकों को फायदा होगा क्योंकि उन्हें अधिक स्पष्टता मिलेगी कि कंपनियां किस तरह से बायबैक कर रही हैं और इसका उनके निवेश पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

सिद्धार्थ मौर्य ने यह भी बताया कि इन नियमों के कारण कंपनियों को बायबैक की प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है। इससे शेयर की कीमतों पर त्वरित लाभ की संभावना कम हो सकती है, जो उन निवेशकों के लिए नुकसानदेह हो सकता है जो जल्दी मुनाफा कमाना चाहते हैं। इसके अलावा, कंपनियों पर अनुपालन की अतिरिक्त लागत भी आ सकती है, जो उनके मुनाफे को प्रभावित कर सकती है।

इसका मतलब है कि नए नियम निवेशकों के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा और पारदर्शिता लाएंगे, लेकिन अल्पकालिक निवेश के दृष्टिकोण से कुछ चुनौतियां भी खड़ी कर सकते हैं। दीर्घकालिक निवेशकों के लिए यह नियम सकारात्मक साबित हो सकते हैं, जबकि तुरंत लाभ की उम्मीद रखने वाले निवेशकों को थोड़ी परेशानी हो सकती है।

पूंजीगत खर्च में पीछे रहीं निफ्टी-50 सूचकांक में शामिल कंपनियां

मुंबई। निफ्टी 50 सूचकांक में शामिल देश की प्रमुख कंपनियों का पूंजीगत खर्च मार्च में समाप्त वित्त वर्ष में 5.89 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2023 में इन कंपनियों के 7.43 लाख करोड़ रुपये के कुल पूंजीगत खर्च से यह 20.7 फीसदी कम रहा। स्टॉक एक्सचेंज के पास जमा कंपनियों की सालाना रिपोर्ट से ये आंकड़े प्राप्त हुए हैं। सकल संपत्ति निर्माण और पूंजीगत कार्यों की प्रगति में गिरावट का मुख्य कारण देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूंजीगत खर्च घटना है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) की सालाना रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 1.39 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत खर्च किया, जो वित्त वर्ष 2023 के 2.45 लाख करोड़ रुपये से कम है। आरआईएल को छोड़कर निफ्टी-50 की बाकी कंपनियों का सकल संपत्ति निर्माण लगभग सपाट रहा है। पूंजीगत खर्च में कटौती के बावजूद आरआईएल वित्त वर्ष 2024 में सकल संपत्ति निर्माण में सबसे आगे रही है और उसके बाद सार्वजनिक क्षेत्र की तेल उत्पादक कंपनी ओएनजीसी है। ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2024 में 68,418 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च किया था। इसी तरह आदित्य बिड़ला समूह की होल्डिंग कंपनी ग्रासिम ने 46,612 करोड़ रुपये और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने 43,614 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया।

स्वदेश लौटीं विनेश फोगाट, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद विनेश फोगाट शनिवार को स्वदेश लौट आईं। दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही विनेश को रोते हुए देखा गया। पेरिस ओलंपिक 2024 में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद एयरपोर्ट पर उनका ऐतिहासिक स्वागत किया गया।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया और अन्य सहित कई उल्लेखनीय लोग , विनेश के स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। प्रशंसकों ने नाचते हुए 29 वर्षीय शीर्ष पहलवान का स्वागत किया। इससे पहले सुबह, फोगट के परिवार, दोस्त, रिश्तेदार और प्रशंसक उनका स्वागत करने के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के बाहर बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

हवाईअड्डे पर पहुंचते ही भावुक विनेश फोगाट ने देश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैं सभी देशवासियों को धन्यवाद देती हूं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं। उनकी वापसी से हरियाणा में उनके पैतृक गांव बलाली में जश्न का माहौल है, जहां उनके भव्य स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं।

पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट के प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें प्रशंसकों का पसंदीदा बना दिया है, भले ही संयुक्त रजत पदक के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) में उनकी अपील इस सप्ताह की शुरुआत में खारिज कर दी गई थी, जिसके कारण उन्हें पेरिस में लंबे समय तक रहना पड़ा।

बलाली में इस अवसर पर कुल 750 किलोग्राम बूंदी के लड्डू तैयार किए गए हैं। ग्रामीणों द्वारा गोल्डन लड्डू करार दिया गया यह लड्डू, विनेश के लिए महसूस किए गए गर्व का प्रतीक है। विनेश की घर वापसी सिर्फ वापसी नहीं है बल्कि पूरे गांव के लिए गर्व का क्षण है, जो भारत के लोगों के मन में अपने ओलंपिक नायक के प्रति गहरी प्रशंसा और प्यार को दर्शाता है।

बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक के साथ दिल्ली में किया रोड शो

नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगट ने पेरिस ओलंपिक से लौटने के बाद शनिवार को दिल्ली में रोड शो किया। रोड शो में बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद थे। साक्षी मलिक ने कहा, विनेश ने देश के लिए जो किया है, वह बहुत कम लोग कर पाते हैं। उन्हें और अधिक सम्मान और सराहना मिलनी चाहिए...। इस बीच, बजरंग पुनिया ने कहा, देशवासी उन्हें जबरदस्त प्यार दे रहे हैं, आप देख सकते हैं कि देश ने उनका कैसे स्वागत किया। इससे पहले शनिवार को पहलवान विनेश फोगट दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। पेरिस से लौटने पर विनेश ने कहा, मैं सभी देशवासियों का शुक्रिया अदा करती हूं, मैं बहुत भाग्यशाली हूं। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली वह पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं। हरियाणा में जन्मी यह पहलवान एयरपोर्ट के बाहर निकलने के बाद भावुक हो गई और फूट-फूट कर रोने लगी।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध को ठुकराने के बाद पर्थ स्कॉर्चर्स में शामिल होंगे फिन एलन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के राष्ट्रीय अनुबंध को ठुकराने के बाद, स्टार कीवी खिलाड़ी फिन एलन दो साल के सौदे पर पर्थ स्कॉर्चर्स से जुड़ेंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, स्कॉर्चर्स आने वाले दिनों में एलन के क्लब में जाने की पुष्टि करेगा। एलन ने हमेशा टी20 प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है। उनका स्ट्राइक रेट 168.60 है, जो वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के बाद सबसे छोटे क्रिकेट प्रारूप में कम से कम 3000 रन बनाने वाले किसी भी बल्लेबाज के लिए दूसरा सबसे अधिक है। टी20आई में, कीवी सलामी बल्लेबाज ने दो शतक बनाए और 2022 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ़ एक बड़ा प्रभाव डाला। हालांकि, एलन का टी20 विश्व कप 2024 निराशाजनक रहा, जब उन्होंने कीवी टीम के लिए चार पारियाँ खेलने के बाद केवल 35 रन बनाए। इससे पहले गुरुवार को डेवोन कॉनवे और फिन एलन ने न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंधों को ठुकरा दिया था। हालांकि, कॉनवे ने केन विलियमसन की तरह कैजुअल एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं और श्रीलंका के व्हाइट-बॉल मैचों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। वह एसए20 में भाग लेंगे। कॉनवे और एलन दोनों को पिछले महीने अनुबंध सूची में शामिल किया गया था और अब उन्हें बदल दिया जाएगा। कॉनवे ने इस प्रक्रिया के दौरान उनके समर्थन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) को धन्यवाद दिया।

कमर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर हुए महमूदुल हसन

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश को करारा झटका लगा है क्योंकि उसके नियमित सलामी बल्लेबाज महमूदुल हसन कमर की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। बीसीबी ने अभी तक महमूदुल के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है। बीसीबी के मुख्य चिकित्सक देबाशीष चौधरी ने शनिवार को क्रिकबज से पुष्टि करते हुए कहा, हमें महमूदुल के बारे में एक मेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि उनके दाहिने कमर में चोट लगी है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें तीन सप्ताह के लिए आराम दिया जा रहा है। टेस्ट टीम में शामिल होने से पहले इस्लामाबाद में शाहीन्स के खिलाफ खेलने वाली बांग्लादेश ए टीम का हिस्सा रहे महमूदुल को फील्डिंग के दौरान चोट लग गई और इसके परिणामस्वरूप वे दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सके।

2024 महिला टी20 विश्वकप की मेजबानी करना चाहता है जिम्बाब्वे

हरारे। बांग्लादेश में जारी हिंसा और खराब हालातों को देखते हुए जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि वह महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी करने तैयार है। इससे पहले बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) ने भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) से विश्वकप की मेजबानी करने की अपील की थी पर बीसीसीआई ने इंकार कर दिया था। ऐसे में जिम्बाब्वे बोर्ड को मेजबानी मिलने का अवसर दिखा और उसने प्रस्ताव दे दिया। जिम्बाब्वे ने अब तक विश्वकप क्वालीफायर 2023 और 2018 की मेजबानी की थी। उसकी टीम हालांकि क्वालीफाइ नहीं होने कारण एक बार भी विश्वकप में भाग नहीं ले पाई है। जिम्बाब्वे अन्य बड़े आयोजनों की तैयारी के लिए भी टूर्नामेंट का मेजबान बनना चाहता है। जिम्बाब्वे साल 2026 में नामीबिया के साथ पुरुष अंडर 19 विश्वकप और 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर एकदिवसीय विश्वकप की सह मेजबानी भी करेगा। तब तक देश में दो और नये अंतरराष्ट्रीय मैदान भ बन जाएंगे। जिम्बाब्वे बोर्ड हरारे स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो में क्रीस स्पोर्ट्स क्लब के मैदान को टी-20 विश्वकप के आयोजन के तौर पर पेश कर सकता है। इन मैदानों पर 2023 विश्वकप क्वालीफायर के सभी मैच हुए थे।

पीकेएल 2024 नीलामी :

खिलाड़ियों पर जमकर बरसे पैसे सचिन तंवर 2.15 करोड़ में बिके

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए नीलामी समाप्त हो गई। मुम्बई में हुए दो दिवसीय ऑक्शन में 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। ऑक्शन के दौरान खिलाड़ियों पर जमकर पैसे बरसे हैं। सचिन तंवर 2.15 करोड़ रुपये के साथ पीकेएल 2024 के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें तमिल थलाइवाज ने खरीदा है। ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह प्रो कबड्डी लीग प्लेयर ऑक्शन में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने। उन्हें हरियाणा स्टीलर्स ने 2.07 करोड़ रुपये में खरीदा।

पीकेएल के 11वें सीजन के लिए सभी टीमों ने तीन कैटेगरी में कुल 88 खिलाड़ियों को रिटेन किया था। एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स कैटेगरी में 22, रिटेन्ड यंग प्लेयर्स श्रेणी में 26 और एक्साइटिंग न्यू यंग प्लेयर्स कैटेगरी में 40 प्लेयर रिटेन किए गए हैं।

सबसे महंगे खिलाड़ी

- 2.07 करोड़ - मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह, ईरान (हरियाणा स्टीलर्स)
- 1.97 करोड़ - गुमान सिंह (गुजरात जायंट्स)
- 1.725 करोड़-पवन कुमार सहरावत (तेलुगु टाइटंस)
- 1.30 करोड़-भारत हुडा (यूपी योद्धा)

ये रही पूरी टीमें

बंगाल वॉरियर्स की पूरी टीम
रेडर्स - विश्वास एस, नितिन कुमार, महारुद्र गरजे, सुशील काम्बेकर, मनिंदर सिंह, चाई-मिंग चांग, आकाश बी चौहान, अर्जुन राठी, प्रणय विनय राणे
डिफेंडर- श्रेयस उंबरदंड, आदित्य एस. शिंदे, मंजीत, दीप कुमार, दीपक अर्जुन शिंदे, यश मलिक, फजल अत्राचली, नितेश कुमार, मयूर जगन्नाथ कदम, प्रवीण ठाकुर, हेम राज, संभाजी वबाले, वैभव भाऊसाहेब गरजे
ऑलराउंडर- सागर कुमार

बेंगलुरु बुल्स की पूरी टीम
रेडर्स -सुशील, अक्षित, मंजीत, पंकज, अजिंक्य पवार, प्रदीप नरवाल, प्रमोत सैसिंग, जय भगवान, जतिन
डिफेंडर - पोनपार्थिबन सुब्रमण्यन, सौरभ नंदल, आदित्य पोवार, लकी कुमार, पार्टिक, अरुलनंथाबाबू, रोहित कुमार, अक्षित, हसुन थोंगक्रूआ
ऑलराउंडर- चंद्रनायक एम, नितिन रावल
गुजरात जायंट्स की पूरी टीम
रेडर्स -राकेश, प्रतीक दहिया, नितिन, गुमान सिंह, मोनू, हिमांशू, हिमांशू सिंह, आदेश सिवाच
डिफेंडर- सोमबीर, वाहिद रेजाइमेहर, नीरज कुमार, हर्ष लाड, मोहित, मनुज, नितेश
ऑलराउंडर- जितेंद्र यादव, बालाजी डी, मोहम्मद एस्माईल नबीबख्श, राज डी. सालुंखे, रोहन सिंह

दबंग दिल्ली की पूरी टीम
रेडर्स -नवीन कुमार, आशु मलिक, मनु, मोहित, सिद्धार्थ सिरीश देसाई, मोहम्मद मिजानुर रहमान, हिमांशु, परवीन, राहुल, विनय
डिफेंडर- हिम्मत अंतिल, आशीष, योगेश, विक्रांत, संदीप, मोहम्मद बाबा अली, गौरव छिल्लर, राहुल, रिंकू नरवाल
ऑलराउंडर- आशीष, नितिन पंवार, बृजेन्द्र सिंह चौधरी

जयपुर पिंक पैंथर्स की पूरी टीम
रेडर्स -अर्जुन देशवाल, रितिक शर्मा, अभिजीत मलिक, सोमबीर, श्रीकांत जाधव, विकास खंडोला, नीरज नरवाल, के. धरणीधरन, नवनीत
डिफेंडर- अंकुश, अभिषेक केएस, रेजा मीरबाघेरी, नितिन कुमार, रौनक सिंह, सुरजीत सिंह, अर्पित सरोहा, मयंक मलिक, रवि कुमार, लकी शर्मा
ऑलराउंडर- अमीर हुसैन मोहम्मदमलेकिज, आमिर वानी

हरियाणा स्टीलर्स की टीम
रेडर्स - विनय तेवतिया, शिवम पटारे, विशाल टेटे, जयसूर्या एनएस, घनश्याम मगर, जी. अभिषेक, विकास जाधव
डिफेंडर- मणिकंदन एन, हरदीप, जयदीप दहिया, राहुल सेठपाल, संजय, मोहित, आशीष गिल, मणिकंदन एस।
ऑलराउंडर- साहिल, मोहम्मदरेजा शादलू, नवीन, संस्कार मिश्रा

पटना पाइरेट्स की पूरी टीम
रेडर्स -कुणाल मेहता, सुधाकर एम, संदीप कुमार, साहिल पाटिल, दीपक, अयान, जंग-कुन ली, मीतू, प्रविंदर, देवांक
डिफेंडर- मनीष, अबिनंद सुभाष, नवदीप, शुभम शिंदे, हामिद नादेर, त्यागराजन युवराज, दीपक राजेंद्र सिंह, प्रशांत कुमार राठी, सागर, अमन, बाबू मुरुगासन
ऑलराउंडर- अंकित, गुरदीप

पुनेरी पलटन की पूरी टीम
रेडर्स - पंकज मोहिते, मोहित गोयत, नितिन आर, आकाश शिंदे, आदित्य शिंदे, आर्यवर्धन नवले, अजित वी कुमार
डिफेंडर- संकेत सावंत, अबिनेश नादराजन, गौरव खत्री, वैभव कांबले, दादासो पुजारी, तुषार दताराय अधावड़े, मोहित, अली हादी, अमन, मोहम्मद अमान, विशाल, सौरव
ऑलराउंडर- असलम मुस्तफ़ा इनामदार, अमीर हसन नोरूजी

तमिल थलाइवाज की पूरी टीम
रेडर्स -विशाल चहल, रामकुमार मयंदी, नितिन सिंह, नरेंद्र कंडोला, धीरज बैलमारे, सचिन तंवर, सौरभ फगारे
डिफेंडर- एम अभिषेक, हिमांशु यादव, सागर राठी, आशीष, मोहित, साहिल गुलिया, अनुज गावड़े, रौनक, नितेश कुमार, अमीरहोसैन बस्तमी
ऑलराउंडर- मोईन सफागी
तेलुगु टाइटंस की पूरी टीम
रेडर्स -रोहित, चेतन साहू, प्रफुल्ल जवारे, ओंकार पाटिल, नितिन, मंजीत, आशीष नरवाल
डिफेंडर- अजीत पवार, अंकित, सागर, कृष्ण ढुल, मिलाद जब्बारी, मोहम्मद मलक, सुंदर
ऑलराउंडर- संजीवी एस, पवन सहरावत, शंकर गदाई, विजय मलिक, अमित कुमार

यू मुंबा की पूरी टीम
रेडर्स - शिवम, अजीत चौहान, मंजीत, एम. धनसेकर, स्टुवर्ट सिंह, विशाल चौधरी, सतीश कन्नन
डिफेंडर- गोकुलकन्नन एम, रिंकू, लोकेश घोसलिया, बिट्टू, सोमबीर, मुकिलन शनमुगम, सनी, दीपक कुंडू, सुनील कुमार, अमीन घोरबानी, परवेश भैंसवाल, आशीष कुमार
ऑलराउंडर- अमीरमोहम्मद जफरदानेश, शुभम कुमार

यूपी योद्धाओं की पूरी टीम
रेडर्स -गगना गौड़ा, सुरेंद्र गिल, शिवम चौधरी, केशव कुमार, हेइदराली एकरामी, भवानी राजपूत, अक्षय आर. सूर्यवंशी
डिफेंडर- सुमित, आशु सिंह, जयेश महाजन, गंगाराम, हितेश, सचिन, साहुल कुमार, मोहम्मदरेज़ा कबीद्रहंगी, महेंद्र सिंह
ऑलराउंडर- भरत, विवेक

आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। नेपाल 12 से 21 अप्रैल, 2025 तक काठमांडू में आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 की मेजबानी करेगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएएन) ने उक्त पुष्टि की। इस डिवीजन 1 इवेंट का विजेता आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करेगा।

सीएएन ने अपने 'एक्स' अकाउंट में यह भी जोड़ा कि मेजबान नेपाल के अलावा, अफगानिस्तान, ओमान, हांगकांग, सिंगापुर और यूएई एशियाई क्षेत्र के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। ओमान और हांगकांग ने डिवीजन 2 टूर्नामेंट से फाइनलिस्ट होने के कारण इस इवेंट के लिए क्वालीफाई किया।

नेपाल ने इस साल दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 2024 आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में भाग लिया, जहाँ उन्होंने ईस्ट लंदन के बफ़ेलो पार्क में अफगानिस्तान के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत दर्ज करके सुपर सिक्स चरण के लिए क्वालीफाई किया। पुरुषों का अंडर-19 विश्व कप 2026 जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा, जहां 16 टीमें टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से पांच क्षेत्रीय क्वालीफायर से आएंगी।

फरवरी में 2024 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप फाइनल में भारत को 79 रनों से हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया गत विजेता के रूप में प्रतियोगिता में उतरेगा।

मेजबान जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के अलावा, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने 2026 की शुरुआत में होने वाले इस आयोजन के लिए स्वचालित योग्यता हासिल कर ली है।

यह प्रतियोगिता का सोलहवाँ संस्करण भी होगा जो 1988 में शुरू हुआ था और अब क्रिकेट कैलेंडर में एक द्विवार्षिक आयोजन है। भारत ने रिकॉर्ड पाँच मौकों पर पुरुष अंडर-19 विश्व कप जीता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने चार बार जीत हासिल की है। पाकिस्तान दो बार विजयी हुआ है, जबकि बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने एक-एक बार जीत हासिल की है।

डूरंड कप 2024 : मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच ग्रुप चरण मैच रद्द

नई दिल्ली। रविवार को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में ईस्ट बंगाल और मोहन बागान सुपर जायंट के बीच होने वाला डूरंड कप ग्रुप चरण का मैच संभावित सुरक्षा कारणों से रद्द कर दिया गया है।आरजी कर मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद शहर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, शहर की पुलिस ने कथित तौर पर सुरक्षा प्रदान करना एक बड़ी चुनौती बताया है।

मोहन बागान पहले ही टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन इस रद्द मैच से मिला एक अंक ईस्ट बंगाल को मुश्किल में डाल सकता है। अंतिम-आठ के लिए, छह ग्रुप-टॉपर्स और दो सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान वाली टीमें कट बना लेंगी।

ईस्ट बंगाल ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है, लेकिन गोवा, जो शनिवार को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शिलांग लाजोंग से खेलेगा, नॉकआउट के लिए कट बनाने के लिए कोलकाता स्थित संगठन से आगे निकल सकता है। कथित तौर पर दोनों प्रतिद्वंद्वी टीमों के प्रशंसक रविवार को मैच के दौरान पीड़ित के साथ एकजुटता दिखाने की योजना बना रहे थे।

लीमा में होने वाली विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में 42 एथलीटों के साथ उतरेगा भारत

नई दिल्ली। इस महीने के अंत में लीमा में आयोजित होने वाली आगामी अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 के लिए प्रवेश सूची जारी कर दी गई है, जिसमें 134 टीमों के 1700 से अधिक एथलीट भाग लेंगे। भारत में विभिन्न खेलों में 42 एथलीट भाग लेंगे। यह आयोजन 27-31 अगस्त के बीच एस्टाडियो एटलेटिको डे ला विडेना में होगा।

कोलंबिया में 2022 के संस्करण में, भारत तीन पदक (2 रजत और 1 कांस्य) के साथ संयुक्त 25वें स्थान पर रहा था।

स्पर्धा में भाग ले रहे खिलाड़ियों की सूची

पुरुष वर्ग

हिमांशु, सचिन - 10,000 मीटर रेस वॉक; कार्तिक राजा अरुमुगम, मुराद कालूभाई सिरमन - 400 मीटर बाधा दौड़; अंकुल, रिहान चौधरी, बापी हांसदा, अबीराम प्रमोद, जय कुमार, - 4×400 मीटर रिले; बापी हांसदा, जय कुमार - 400 मीटर; सिद्धार्थ चौधरी, अनुराग सिंह कलेर - गोला फेंक; मृत्युम जयराम दोंदापति - 100 मीटर; हरिहरन कथिरवन, नयन प्रदीप सारदे - 110 मीटर बाधा दौड़; साहिल खान - 800 मीटर; सारुक खान, रणवीर अजय सिंह - 3000 मीटर स्टीपलचेज़; देव कुमार मीना - पोल वॉल्ट; प्रतीक - हैमर थ्रो; रितिक - डिस्कस थ्रो; मो. अट्टा साजिद - लंबी कूद; दीपांशु शर्मा, रोहन यादव - भाला फेंक

महिला वर्ग

आरती - 10,000 मीटर रेस वॉक; रुजुला अमोल भोंसले, नियोले अन्ना कॉर्नेलियो, सुदीक्षा वल्दुरी, अबिनया राजराजन, सिया अभिजीत सावंत - 4×100 मीटर रिले; नीरू पहतक, उन्नति अयप्पा बोलैंड - 200 मीटर; नीरू पहतक, अनुष्का कुंभार - 400 मीटर; तमन्ना - गोला फेंक; अबिनया राजराजन- 100 मीटर; उन्नति अयप्पा बोलैंड - 100 मीटर बाधा दौड़; श्रेयस राजेश - 400 मीटर बाधा दौड़; एकता डे - 3000 मीटर स्टीपलचेज़; अमानत कंबोज, निकिता कुमारी - डिस्कस थ्रो; पावना नागराज - लंबी कूद; पूजा - ऊंची कूद; लक्सिता विनोद सैंडिलिया - 800 मीटर, लक्सिता विनोद सैंडिलिया - 1500 मीटर; नीरू पहतक, कनिस्ता तेन्ना मारिया देवा शेकर, सैंड्रामोल साबू, श्रावणी सचिन सांगले, अनुष्का कुंभार - 4×400 मीटर रिले।

मिश्रित रिले 4×400 मीटर टीम - नीरू पहतक, श्रावणी सचिन सांगले, सैंड्रामोल साबू, रिहान चौधरी, बापी हांसदा, जय कुमार।

मैं नदीम का रिकॉर्ड तोड़ सकता था, लेकिन शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी: नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा को लेकर पूरी तरह सकारात्मक थे और उनका मानना था कि वह स्वर्ण पदक विजेता का ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ सकते थे, लेकिन उनके शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी। चोपड़ा ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने से चूक गए, उन्होंने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया।

एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में नीरज ने कहा, नदीम बहुत मेहनती खिलाड़ी है और उसके खिलाफ़ प्रतिस्पर्धा हमेशा सकारात्मकता से भरी होती है और उस दिन भी मुझे पूरा यकीन था कि हमारा मुक़ाबला अच्छा होगा। जब उसने अपने दूसरे प्रयास में ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया तो इसने सभी पर दबाव बनाया, लेकिन चूंकि मैंने पहले भी उसके साथ प्रतिस्पर्धा की थी, इसलिए मुझे पूरा यकीन था कि मैं अपने दूसरे प्रयास के बाद उसका रिकॉर्ड तोड़ दूंगा जो 90 के करीब था, लेकिन किसी तरह मेरे शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि फाइनल के दौरान उनका लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था।

उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा नहीं कर सकता... अरशद नदीम का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.18 मीटर था, जो उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में फेंका था, और मेरा पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर था... मैं खुद को अपनी चरम सीमा तक नहीं धकेल सकता था। मानसिक रूप से मैं तैयार था, लेकिन शारीरिक रूप से, मैं खुद को फिर से प्रशिक्षित कर रहा था। रनवे पर मेरा लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था। मेरे प्रयास व्यर्थ जा रहे थे। नदीम के थ्रो के तुरंत बाद मेरा थ्रो अच्छा था, क्योंकि मैं बेहद सकारात्मक था...।

नीरज ने अपनी अगली प्रतियोगिता का भी खुलासा किया और कहा कि वह 22 अगस्त से शुरू होने वाले लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेंगे। उन्होंने कहा, मैंने आखिरकार 22 अगस्त से शुरू होने वाले लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और बीजिंग 2008 से डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 88.54 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले, चोपड़ा ने ग्रुप बी क्वालिफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर का थ्रो हासिल किया था, जो उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ ऑल टाइम थ्रो था। नदीम के साथ प्रतिस्पर्धी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद, जहां चोपड़ा ने अपने आमने-सामने के मुकाबलों में 9-0 की बढ़त बनाई थी, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में नदीम का 90.18 मीटर का थ्रो चोपड़ा के शीर्ष प्रयास से आगे निकल गया। अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफलता के बाद, नीरज ने अपने प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त किया।

नीरज ने कहा, यह अच्छा थ्रो था, लेकिन मैं अपने प्रदर्शन से खुश नहीं था। मेरी तकनीक और रनवे उतना अच्छा नहीं था। (मैं) केवल एक थ्रो ही कर पाया, बाकी में मैंने फाउल किया।

नीरज ने कहा, (अपने) दूसरे थ्रो के लिए मुझे लगा कि मैं भी इतनी दूर तक थ्रो कर सकता हूं। लेकिन भाला फेंक में, अगर आपका रन इतना अच्छा नहीं है, तो आप बहुत दूर तक थ्रो नहीं कर सकते। भारतीय शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी, जो मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन भी हैं, ने कहा कि पेरिस में खिताब बचाने के लिए लगी चोटों ने कुछ अंतर पैदा किया और उन्हें चोट से मुक्त रहने और अपनी तकनीक पर काम करना होगा।

26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पिछले दो या तीन साल मेरे लिए इतने अच्छे नहीं रहे। मैं हमेशा चोटिल रहता हूं। मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की, लेकिन मुझे अपनी चोट (चोट से मुक्त रहने) और तकनीक पर काम करना होगा।

वजन घटाने के लिए ज्यादा कसरत करना ठीक नहीं

हृदय (दिल) हमारे शरीर का अहम अंग है। छाती के मध्य से थोड़ी बायीं ओर स्थित दिल पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह करता है। दिल को ऑक्सीजन कोरोनरी धमनियों द्वारा प्रदान की जाती है जो कि रक्त के माध्यम से मिलती है। अलग-अलग कारणों की वजह से दिल में कई प्रकार की बीमारी जैसे रुमेटिक हृदय रोग, जन्मजात खराबियां, हृदय की विफलता तथा पेरिकार्डियल बहाव, कोरोनरी धमनी रोग, हार्ट अटैक, हार्ट वाल्व रोग, हार्ट फेल्योर, स्ट्रोक आदि हो सकते हैं।

दिल व ईसीजी के आकार में स्टेटोस्कोप

हृदय रोग (कार्डियोवस्कुलर हार्ट डिजीज) होने का मुख्य कारण है कोलेस्ट्राल के स्तर में वृद्धि। यदि हाइ डेन्सिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) की मात्रा है तो वे कम प्रभावशाली होते हैं। एचडीएल को अच्छा कोलेस्ट्राल माना जाता है क्योंकि यह हृदय की रक्तवाहनियों से कोलेस्ट्राल को बाहर लाता है। यदि लो डेन्सिटी लिपोप्रोटीन अणुओं का आकार छोटा है तो उनके रक्तवाहनियों में जमने की आशंका बढ़ जाती है। मोटापा भी दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण है। वजन घटाने के लिए नियमित व्यायाम तथा साधारण तथा संतुलित भोजन करना चाहिए।

वजन घटाने के लिए भूखे रहना और ज्यादा कसरत करना भी ठीक नहीं है, इससे दिल पर बुरा असर पड़ता है। दिल को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से व्यायाम और सुबह या शाम के समय चहलकदमी करनी चाहिए। व्यायाम से हाथ-पैरों की धमनियां स्वस्थ रहती हैं जिससे शरीर में रक्त बहाव ठीक से होता है। धूम्रपान भी दिल के रोग का एक प्रमुख कारण है। सोया प्रोटीन लेने से शरीर में एचडीएल कोलेस्ट्राल की मात्रा बढ़ती है, इसे गुड़ कोलेस्ट्राल माना जाता है।

इस तरह करें उपचार

जीवनशैली में करें सकारात्मक बदलाव: कार्डियोवस्कुलर रोगों से बचाव के लिए जीवन शैली में बदलाव व सुधार करना बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि शारीरिक सक्रियता को बनाएं रखा जाए। जितना हो सके तनाव से बचें। अपनी सोच को सकारात्मक रखें और आशावादी बनें। तनाव से बचने के लिए मनपसन्द संगीत सुन सकते हैं।

नियमित व्यायाम: नियमित रूप से व्यायाम करके आसानी से जानलेवा हृदय रोग से बचा जा सकता है। सुबह सैर पर जा सकते हैं या घर, पार्क या बागीचे में कसरत या योगा कर सकते हैं। अगर आप के परिवार में पूर्व में किसी को हृदय रोग रहा हो तो शारीरिक श्रम से आप लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

सर्जरी का सहारा: यदि दवाएं और नियमित देखभाल हृदय रोग के लक्षणों को कम नहीं करती हैं, तो आप सर्जरी के विकल्प के बारे में अपने डॉक्टर से बात कर सकते हैं। अनेक प्रक्रियाएं जैसे हार्ट वॉल्व सर्जरी, इनफ्रेक्ट एक्सक्लूजन सर्जरी, हार्ट ट्रासप्लान्ट (हृदय प्रत्यारोपण) तथा बाईपास सर्जरी आदि संकीर्ण या अवरुद्ध धमनियों को फिर से खोलने या सीधे हृदय की चिकित्सा के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं।

खान पान का ध्यान रखें: तला-भुना अधिक न खाएं। फास्ट फूड और चिकनाई वाला खाना खाने से वजन भी बढ़ता है और यह चिकनाई रक्त धमनियों में जम जाती है। जिससे खून का बहार धीरे-धीरे कम होता जाता है। इसलिए संतुलित व पौष्टिक आहार ही लें। फल व सब्जियों का सेवन करें।

स्मार्ट शॉपिंग की सुपर टिप्स

सेल का सीजन चल रहा है। इस वक्त आपको हर जगह फ्लैट 50त्न डिस्काउंट लिखा मिल जाएगा। सच बात तो यह है कि यह डिस्काउंट ऑफर देखते ही हमें खरीददारी का लालच आ जाता है। जानें, कुछ शानदार टिप्स ताकि आप ज्यादा से ज्यादा डिस्काउंट पर अच्छे से अच्छा सामान घर ला सकें...

» शॉपिंग पर जाने से पहले एक बार उन चीजों की कीमत ऑनलाइन भी चेक कर लें। कई बार अलग-अलग वेबसाइट्स पर भी ये चीजें आसानी से मिल जाती हैं। ऑनलाइन का एक फायदा यह भी रहता है कि यहां पर कई बार अच्छे डिस्काउंट में सामान मिल जाता है। लेकिन ध्यान रखें कि कपड़े, जूते जैसी चीजें यहां से खरीदने पर उनकी फिटिंग में समस्या आ सकती है।

» अक्सर होता है कि कोई सामान बहुत पसंद आ जाता है या कई बार सामान की जरूरत अचानक से महसूस होने लगती है, जिसकी वजह से कब हम बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, पता ही नहीं चलता। ऐसे में जरूरी है कि बजट सेट करके ही घर से निकलें और शॉपिंग के दौरान खुद पर बजट के हिसाब से कंट्रोल रखें।

» कभी भी दुकानदार की बातों से झांसे में न आएं। कई बार दुकानदार ऐसी लाइनें बोलता है कि यह डिस्काउंट तो सिर्फ आपके लिए है, आप हमारे खास कस्टमर हैं, ऐसा सामान जल्दी नहीं मिलता वगैरह-वगैरह। यह किसी भी दुकानदार का रोज का काम है और यह लाइनें वह हर कस्टमर को बोलते हैं। ऐसे में कभी भी दुकानदार की इस तरह की बातों में न आएं।

» सेल सीजन में शॉपिंग करने जा रही हैं तो ऑफर आने के बाद पहला दो दिन खरीददारी के लिहाज से बेस्ट होता है क्योंकि आपको स्टॉक में अच्छी-अच्छी चीजें हाथ लग जाती हैं। तब हर साइज और कलर में सामान उपलब्ध होते हैं और स्टॉक्स सीमित होने की चिंता नहीं रहती। हां, अगर ज्यादा डिस्काउंट पाना चाहती हैं तो इसके लिए आखिरी के दो दिन सबसे मुफीद हैं। आखिरी के दो दिनों में 70प्रतिशत तक डिस्काउंट मिलने लगते हैं।

» सेल के सीजन में स्टैंडर्ड साइज का अभाव होता है। मीडियम साइज के कपड़े जल्दी बिक जाते हैं। जाहिर है कि आप छोटे साइज के कपड़े तो नहीं लेंगे। इसलिए, अगर थोड़ी बड़ी साइज के मिल जाएं तो ले लीजिए क्योंकि अल्टर करवाने का ऑप्शन आपके पास होता है।

कमर दर्द ने कर रखा है परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे!

कई बार घंटों लगातार बैठे रहने से कमर में दर्द होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा गलत लाइफस्टाइल और खान-पान में पोषक तत्वों की कमी से भी कमर दर्द की परेशानी होना आम बात है। इस दर्द के कारण बैठने-उठने में परेशानी और काम करने में भी दिक्कत आने लगती है। सही समय पर इसका इलाज न किया जाए तो यह दर्द बढ़ने लगता है। आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे है जिसे अपनाकर आप दर्द से राहत पा सकते है।

कमर दर्द के घरेलू उपाय

अजवाइन : कमर में दर्द है तो एक छोटा चम्मच अजवाइन लेकर तवे पर सेंक लें। जब यह ठंड़ी हो जाए तो इसे धीरे-धीरे चबाते हुए निगलें। 7 दिन लगातार इसका सेवन करने से दर्द से राहत मिलती है।

सिकाई : दर्द होने पर उस जगह पर पानी की सिकाई करें। ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो। इसके साथ ही बासी खाने से परहेज करें।

सैर भी जरूरी

सुबह सैर करने से कई हैल्थ प्रॉब्लम्स दूर होती है। कमर दर्द से बचने के लिए रोजाना सुबह 2 मील सैर जरूर करें।

सरसों का तेल : सरसों के तेल में लहसुन की तीन-चार कलियां डालकर गर्म कर लें और ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें।

कैल्शियम : कैल्शियम का कमी भी कमर में दर्द होने लगता है। ऐसे में अपनी डाइट में कैल्शियम युक्त आहार को शामिल करें।

इसलिए जल्द छोड़ दें शराब...

अगर आप शराब छोड़ने की प्लानिंग कर रहे हैं तो जितनी जल्दी हो सके कर लें, क्योंकि शराब लंबे समय तक आपको इफेक्ट कर सकती है। हाल ही में आई एक रिसर्च कुछ ऐसा ही कह रही है। जनरल ऑफ स्टडीज ऑन एल्कोहल एंड ड्रग्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, शराब को छोड़ने के बाद भी इसका प्रभाव लंबे समय पर शरीर पर साइलेंट तरीके से रहता है। यह हेल्थ को प्रभावित करता है यानी शराब की वजह से कई तरह की परमानेंट इंजरी हो जाती हैं जिसकी वजह से कई तरह के हेल्थ इश्यू होने लगते हैं। रिसर्च के नतीजों में पाया गया कि जो लोग युवावस्था में शराब पर निर्भर थे लेकिन शराब छोड़ने के 5 साल बाद तक उसका असर उन्हें दिखाई दिया और 60 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते बेशक कम लेकिन शराब का मेंटल और फीजिकल हेल्थ पर भी इफेक्ट दिखा।

डिप्रेशन का भी खतरा

रिसर्च में यह भी पाया गया कि जो लोग

एल्कोहल पीने के आदी हैं उनमें सामान्य लोगों से दुगुना डिप्रेशन होने की आशंका रहती है। हैरान करने वाली बात यह है कि ये सिम्टम्स तब भी बरकरार रहते हैं जब आप शराब सालों पहले छोड़ चुके हैं। दरअसल, शराब का दिमाग के कई हिस्सों में प्रभाव पड़ता है। रिसर्च यह भी कहती है कि जो लोग शराब पीना छोड़ देते हैं और लाइफस्टाकइल हेल्दी करते हैं। हेल्दी खाते हैं, स्मोकिंग नहीं करते और अपनी हेल्थ की परवाह करते हैं तो उन पर शराब छोड़ने के बाद शराब का उतना अधिक इफेक्ट नहीं पड़ता।

छोटी मात्रा भी खतरनाक

शराब की छोटी सी मात्रा भी शरीर को प्रभावित करती है। यह तेजी से हमारे शरीर के खून में मिल जाती है और पानी की कमी कर देती है। शराब हमारे शरीर को भावनात्मक और शारीरिक दोनों तरह से नुकसान करती है। यह हमारे उत्सर्जन तंत्र को सबसे अधिक प्रभावित करती है जिसका काम होता है हमारे शरीर में मूत्रमार्ग और मलमार्ग के द्वारा अवांछित पदार्थो को बाहर करना। अधिक मात्रा में शराब के सेवन से अग्न्याशय ग्रंथि में जहरीले पदार्थ बनते हैं जिसकी वजह से उसके काम करने के तरीके में बदलाव आ सकता है।

स्नायुतंत्र पर असर

सबसे अधिक एल्कोहल साइड इफेक्ट होता है हमारे लिवर पर और अधिक मात्रा में शराब के सेवन से लीवर में एल्कोहल हेपेटाइटिस हो सकता है। शराब का प्रभाव हमारे शरीर पर जल्दी ही दिखाई देने लगता है क्यूंकि यह हमारे शरीर के सभी भागों तक पहुंच सकती है जिसकी वजह से हमारे स्नायुतंत्र पर इसका असर होता है और इसके सेवन के बाद किसी से बात करना, अधिक पीने पर खड़े रहना तक मुश्किल हो जाता है। साथ ही दिमाग के लिए भी यह हानिकारक होता है और लंबे समय तक शराब के सेवन से कई तरह की परमानेंट दिमागी समस्याएं हो सकती है जिनमें मतिभ्रम भी शामिल है।

विटामिन बी-1 की कमी

लम्बे समय तक पीने का एल्कोहल साइड इफेक्ट यह भी होता है कि यह विटामिन बी-1 की कमी का कारण बनता है जिसकी वजह से आपकी आंखों की कमजोरी और आंखों की मांसपेशियों को नुकसान हो सकता है। शराब पाचन तंत्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है और साथ ही यह पेट के सभी जरुरी हिस्सों पर दुष्प्रभाव डालती है।

दिल के लिए खतरा

दिल के लिए भी शराब बिलकुल अच्छी नहीं होती और इससे होने वाली परेशानियों में मुख्य है अनियमित धड़कन। अगर कोई जरुरत से अधिक शराब पीता है तो उसे दिल संबंधी कोई भी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है।शराब का अधिक सेवन करने वालों में यौन क्षमता से जुडी समस्या भी देखी गई है। शराब पीने से महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और साथ ही बांझ होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

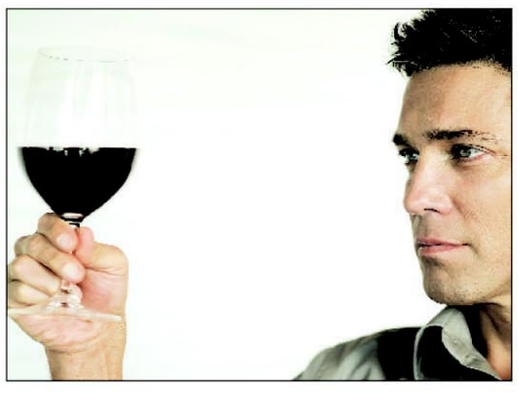

कुछ यूं गुलाब से ही पाएं गुलाब सी निखरी और कोमल त्वचा...

गुलाब, कभी प्यार तो कभी खूबसूरती को बयां करने वाला एक फूल. गुलाब, कभी हमें नर्म अहसास कराता है, तो कभी अपनी खुश्बू से मन को प्रफुल्लित कर देता है. खूबसूरती के लिए भी इसकी खूब प्रतिमाएं दी जाती हैं. यही गुलाब खूबसूरती को बढ़ाने में भी मददगार है. जी हां, गुलाब न सिर्फ अपनी खुशबू से मन को सुकून पहुंचाते हैं, बल्कि ये त्वचा में नमी भी बनाए रखते हैं और चेहरे पर निखार लाते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि गुलाब की पंखुड़ियों के कई फायदे हैं. गुलाब के इस्तेमाल से खूबसूरत त्वचा पाने के कुछ टिप्स-

» पानी में मिली गुलाब की पंखुड़ियों का सत्व या गुलाब जल त्वचा को नमी प्रदान करता है और ताजगी देता हैं. यह त्वचा में ऑयल को नियंत्रित करता है और पीएच बैलेंस बनाए रखता है. विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण गुलाब से बना एसेन्शल ऑयल त्वचा के रुखेपन को दूर करता है और निखार लाता है.

» गुलाब जल और नींबू के रस से बना टॉनिक चेहरे पर लगाने से कील, मुंहासे कम होते हैं. चेहरे पर इसे 15 मिनट तक लगा रहने दे, इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें. यह सामान्य और तैलीय त्वचा दोनों के लिए उपयुक्त है.

» नियमित रूप से इस्तेमाल के लिए कॉटन बॉल या रूई के फाहे को गुलाब जल में भिगोकर इससे चेहरा साफ करें. यह प्राकृतिक टोनर का काम करता है. ऐसा आप सुबह और रात में सोने जाने से पहले कर सकती हैं. पानी में गुलाब जल डालकर आप स्नान भी कर सकती हैं, इससे चेहरे पर चमक आती है और इसकी सौम्य खुशबू से मानसिक

तनाव व शारीरिक थकान भी दूर होती है.

» गुलाब जल आंखों को स्वस्थ रखता है. इसमें मौजूद एंटी-सेप्टिक और जीवाणुरोधी गुण आंखों को धूल, गंदगी, लालिमा और मेकअप उत्पादों के केमिकल से होने वाले नुकसान से बचाते हैं. दूध के साथ मिलाकर लगाने से यह आंखों के काले घेरे को भी दूर करता है.

» शैम्पू के दौरान नियमित रूप से गुलाब जल का इस्तेमाल बालों में नमी बनाए रखता है और कंडीशन करता है.

» बाल धोने से 10 मिनट पहले गुलाब जल और जोजोबा ऑयल को मिलाकर लगाने से यह हेयर ड्रायर के इस्तेमाल से रूखे व बेजान हुए बालों को रिपेयर करता है.

» उलझे व रूखे बालों से छुटकारा पाने के लिए आप गुलाब जल और एलोवेरा को समान मात्रा में मिलाकर स्कैल्प पर अच्छे से लगा लें और 30 मिनट तक लगाए रहने के बाद धो लें.

» गुलाब में जीवाणुरोधी, एंटी फंगल और एंटीवायरल गुण होने के कारण यह खरोंच लगी या जली त्वचा पर भी लगाया जा सकता है. इसका इस्तेमाल बुखार और खांसी में भी किया जा सकता है.

» गुलाब का खुशबू तनाव को दूर कर मूड तरोताजा करता है. यह उत्तेजना, चिंता को दूर कर राहत व सुकून का अहसास कराता है.

* गुलाब झुर्रियों को दूर कर त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. रोजहिप सीड ऑयल का इस्तेमाल करें, जो विटामिन सी, तेल और प्रोटीन से समृद्ध होता है.

खाना खजाना

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध
2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम, 1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें। सुलभ सुझाव- इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

पनीर पाव भाजी

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 100 ग्राम प्याज, 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट, 100 ग्राम शिमला मिर्च, 160 ग्राम टमाटर, 1 टेबलस्पून पाव भाजी मसाला , 1/2 टेबलस्पून चाट मसाला, 50 ग्राम फूलगोभी(उबली हुई), 50 ग्राम गाजर(उबली हुई), 500 ग्राम आलू(उबली हुई), 100 ग्राम पनीर, 1 टीस्पून नमक,1/4 टीस्पून हल्दी, 30 ग्राम बटर, 2 टीस्पून नींबू का रस, 2 टीस्पून हरी मिर्च, 250 मि.ली पानी

विधि

1. एक पैन में 1 टेबलस्पून तेल डाल कर गर्म कर लें। अब इसमें 100 ग्राम प्याज,1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट और 100 ग्राम शिमला मिर्च डालकर 2-3 मिनट के लिए भूनें। इसमें 160 ग्राम टमाटर डालकर भूनें और फिर इसमें 1 टेबलस्पून पाव भाजी मसाला और 1/2 टेबलस्पून चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं और पकाएं। पकने पर इसमें 50 ग्राम फूलगोभी(उबली हुई),50 ग्राम गाजर(उबली हुई),500 ग्राम आलू(उबली हुई),100 ग्राम पनीर और 1 टीस्पून नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें 1/4 टीस्पून हल्दी,30 ग्राम बटर, 2 टीस्पून नींबू का रस,2 टीस्पून हरी मिर्च और 250 मि.ली पानी डालकर 10 मिनट के लिए पकाएं। पनीर पाव भाजी तैयार है। इसे पाव के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**